सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सुपर -पेज: 7

महिला-प्रधान फिल्म होगी कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 230 | शनिवार 29 नवम्बर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

'मेरा बच्चा जहरीली हवा में साँस ले रहा है !' राहुल गांधी ने शेयर किया माँओं का दर्द, संसद में चर्चा की रखी माँग, वीडियो वायरल

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच सदन में विस्तृत चर्चा की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदूषण की गंभीर स्थिति पर पीएम नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने प्रदूषण से निपटने के लिए सख्त और प्रभावी एक्शन प्लान की मांग करते हुए पूछा कि मोदी सरकार इस मुद्दे पर एक्टिव क्यों नहीं है। माँओं के साथ बातचीत करते हुए राहुल का वीडियो हुआ वायरल राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने आवास पर महिलाओं के एक समूह, वॉरियर्स मॉमः मदर्स फॉर क्लीन एयर संस्था के सदस्यों के साथ बातचीत की। उन्होंने इस मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया '' पर शेयर किया। राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा- "मैं जिस भी माँ से मिलता हूँ, वो कहती हैं कि उनका बच्चा जहरीली हवा में साँस लेकर बड़ा हो रहा है। लोग

थके, डरे हुए और गुस्से में हैं। मोदी जी, भारत के बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं। हमारे बच्चे स्वच्छ हवा में साँस लेना डिजर्व करते हैं।" उन्होंने आगे कहा कि बच्चों का दर्द माँओं के दिल में सबसे गहरी चोट की तरह उतरता है। ये साहसी माँएँ पूरे देश के बच्चों के भविष्य को लेकर डरी हुई हैं। जहरीली हवा से छोटे-छोटे बच्चे फेफड़ों, दिल और मानसिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। भयावह स्थिति को राष्ट्रीय आपदा का दिया नाम राहुल गांधी ने इस भयावह स्थिति को राष्ट्रीय आपदा करार दिया। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा "इतनी भयावह राष्ट्रीय आपदा के बीच भी मोदी सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है और समय तेजी से हमारे हाथों से फिसल रहा है।" कांग्रेस नेता ने मांग की कि भारत को तुरंत इस पर गंभीर चर्चा और निर्णायक कार्रवाई चाहिए, ताकि हमारे बच्चे साफ हवा के लिए संघर्ष न करें, बल्कि एक ऐसे भारत में बड़े हों जो उन्हें सेहत, सुरक्षा और उभरने का पूरा आसमान दे सके।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच सदन में विस्तृत चर्चा की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदूषण की गंभीर स्थिति पर पीएम नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने प्रदूषण से निपटने के लिए...

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 1 दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में प्रदूषण पर विस्तार से चर्चा की मांग दोहराई और कहा कि इस हेल्थ इमरजेंसी से निपटने के लिए एक सख्त और तुरंत लागू करने वाले एक्शन प्लान की जरूरत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदूषण से हर कोई पीड़ित है, चाहे वह दिल्ली में रहने वाला गरीब आदमी हो या अमीर आदमी।

अखिलेश यादव ने एसआईआर अभियान को देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साज़िश बताया

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने एसआईआर अभियान को देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साज़िश बताया, जो उनके अनुसार, अंग्रेजों की गुलामी से भी खराब स्थिति में ले जाएगी। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी करार देकर जनता से जागरूक होने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत-ज़मीन-मकान-राशन-जाति-आरक्षण से नाम काटा जाएगा, और फिर बात खातों और मध्यम वर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, भाजपा के संगी-साथी और भाजपा सरकार की तिकड़ी व निर्वाचन आयोग के कुछ भ्रष्ट लोग मिलकर पूरी चुनावी व्यवस्था का अपहरण कर रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से सारे काम छोड़कर एसआईआर की घपलेबाजी को रोकने और वोट के रूप में अपनी पहचान को बचाने की अपील की। अखिलेश ने सभी विपक्षी दलों के साथ-साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी सहयोगी दलों से भी एकजुट होने और भाजपा के इस महा-षड्यंत्र का पर्दाफाश करने का आह्वान किया। उन्होंने राजग सहयोगियों को आगाह किया कि जो दल भाजपा को अपना सहयोगी मान रहे हैं, सबसे पहले भाजपा उन्हीं का ख़ात्मा करेगी।

चित्तौड़गढ़ के गोल्डमैन खटीक को रोहित गोदारा गैंग से प्रोटेक्शन मनी की धमकी

चित्तौड़गढ़ (एजेंसी)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के कन्हैयालाल खटिक (जिन्हें गोल्डमैन और बप्पी लाहिरी के नाम से जाना जाता है) को रोहित गोदारा गैंग के नाम पर 5 करोड़ की प्रोटेक्शन मनी की धमकी मिली है। बात दें कि पीड़ित कन्हैयालाल खटिक की उम्र 50 वर्ष हैं, और वे एक फल कारोबारी है। वह करीब साढ़े तीन किलो सोना पहनकर घूमते हैं, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये है। वह अखिल भारतीय खटीक समाज के राजस्थान में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। उन्हें दो दिन पहले एक मिस्ड कॉल, फिर वॉट्सएप कॉल और एक ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली, जिसमें 5 करोड़ रुपये की मांग की गई है। धमकी में कहा गया है कि रकम न देने पर वह सोना पहनने लायक नहीं रह जाएंगे। बात दें कि रोहित गोदारा, बीकानेर के लूणकरणसर का निवासी है, माना जाता है कि वह कनाडा में रहकर गैंग चलाता है। उस पर पहले भी फिरौती वसूली के आरोप लगे हैं और उसका नाम सिद्धू मूसेवाला की हत्या में भी आया था। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी है। कन्हैयालाल खटिक ने कोतवाली पुलिस थाने में केस दर्ज कराया है।

कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर फायरिंग का साजिशकर्ता दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर फायरिंग कराने के मुख्य साजिशकर्ता को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। इस गैंगस्टर की पहचान बंधु मान सिंह सेखों के रूप में हुई है, जो गोल्डी ढिल्लो गैंग का भारत-कनाडा बेस्ड हैंडलर बताया जा रहा है और उसके खिलाफ कई क्रिमिनल केस दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच ने उसके कब्जे से हाई-एंड पीएक्स-3 पिस्टल 8 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जुलाई में खुले कनाडा के सरे इलाके में कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' को सबसे पहले 10 जुलाई को अज्ञात लोगों ने निशाना बनाया था। उसके बाद 7 अगस्त और 16 अक्टूबर को कैफे पर दो और हमले हुए। कपिल शर्मा ने मुंबई में कहा था कि कनाडा में उनके कैफे पर फायरिंग की तीन घटनाओं ने अधिकारियों को देश में ऐसे हमलों के खिलाफ कार्रवाई करने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वहां के नियम और पुलिस के पास शायद ऐसी घटनाओं को कंट्रोल करने की शक्ति नहीं है, लेकिन जब हमारा मामला हुआ, तो यह संघीय सरकार के पास गया और कनाडा की संसद में इस पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भगवान जो भी करते हैं, हमें उसके पीछे की कहानी पता नहीं चलती...मुझे वहां से बहुत से लोगों के कॉल आए जिन्होंने मुझे बताया कि बहुत कुछ हो रहा था। शर्मा ने कहा कि मैंने मुंबई या हमारे देश में कहीं भी कभी असुरक्षित महसूस नहीं किया। मुंबई जैसा कोई दूसरा शहर नहीं है।

आतंकवाद से जुड़े हवाला रैकेट का पर्दाफाश, मुंबई कस्टम्स का दो दशकों में सबसे बड़ी कार्रवाई

मुंबई (एजेंसी)। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम्स) ने एक बिना अनुमति वाले हवाला रैकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कंपनी मेसर्स एच.एम.फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड से कुल 7 लाख रुपये की विदेशी करेंसी और 2 करोड़ रुपये के भारतीय करेंसी नोट ज़ब्त किए गए हैं। यह पूरी रकम हसन मोहम्मद करोडिया उर्फ ??हसन गोगा से ज़ब्त की गई है। मिली जानकारी के अनुसार गुप्तचर विभाग को गुप्त जानकारी मिली थी कि हसन गोगा नाम के हवाला कारोबारी के पास विदेश से बड़ी मात्रा में विदेशी करेंसी की स्मगलिंग की जा रही है। जिसके बाद कस्टम्स विभाग ने जाल बिछाया और गोगा के ऑफिस पर छापा मारा। इस छापे में गोगा के पास से बड़ी मात्रा में भारतीय करेंसी नोट मिले और पता चला है कि वे संदिग्ध हैं। इसलिए, शुरुआती जांच में गोगा के आतंकवादी संगठनों से लिंक होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। देश की आर्थिक सुरक्षा के नज़रिए से इस मामले में अभी पूरी जांच चल रही है। जांच में पता चला है कि गोगा विदेश से आने वाले यात्रियों के ज़रिए भारत में विदेशी करेंसी लाता था। वह इस काम के लिए बड़ी संख्या में छात्रों का इस्तेमाल करता था। भारत आने के बाद वह उस फॉरेन करेंसी को इंडियन करेंसी के बदले खरीद लेता था। इसी तरह वह रेगुलर तौर पर विदेश जाने वाले यात्रियों के ज़रिए फॉरेन करेंसी को भारत से बाहर भेजता था। इस पूरे एक्सचेंज में दुबई और दूसरे गल्फ देशों से आने-जाने वाले लोगों का खास तौर पर इस्तेमाल होता था। इसलिए, जांच अधिकारियों को अहम सुराग मिले हैं कि यह नेटवर्क सीधे तौर पर अंतरराष्ट्रीय हवाला और स्मगलिंग रैकेट से जुड़ा हुआ है। हसन गोगा को 26 नवंबर को कस्टम्स एक्ट के सेक्शन 1962 और फेमा (फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट) के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के ऑफिस पहुंचा टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और केंद्र सरकार/भाजपा के बीच एक बड़ा राजनीतिक टकराव पैदा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस का एक 10 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व राज्यसभा में संसदीय दल के नेता डेरेक ओ' ब्रायन ने किया, शुक्रवार को चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचा और एसआईआर प्रक्रिया पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। टीएमसी के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को लिखित शिकायत सौंपी। उनका मुख्य आरोप है कि एसआईआर के नाम पर भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर लाखों मतदाताओं के नाम काटने की साजिश रच रहे हैं। टीएमसी का दावा है कि यह साजिश खास तौर पर अल्पसंख्यक बहुल इलाकों और तृणमूल समर्थक क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नाम हटाने पर केंद्रित है। अन्य विपक्षी दलों का भी कहना है कि सत्तारूढ़ दल भाजपा वोट काटने के मकसद से एसआईआर करा रही है ताकि मौजूदा राजनीतिक स्थिति को अपने पक्ष में किया जा सके।

वहीं केंद्र सरकार और चुनाव आयोग प्रक्रिया को मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए आवश्यक बता रहे हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य फर्जी मतदाताओं को चिन्हित करके उन्हें मतदान के अधिकार से वंचित करना है। संविधान के अनुसार, केवल 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारत के नागरिक को ही मतदान का अधिकार है। केंद्र सरकार का दावा है कि भारत में बड़ी संख्या में अन्य देशों के नागरिक (विशेष रूप से बांग्लादेशी) फर्जी दस्तावेज बनवाकर भारतीय नागरिक के रूप में रह रहे हैं और मतदान कर रहे हैं। उनका कहना है कि एसआईआर के तहत इसतरह के अवैध मतदाताओं को चिन्हित किया जा रहा है और उन्हें उनके देश भेजा जा चुका है।

निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे पर 140 की स्पीट से गाड़ी दौड़ाकर गडकरी ने परखी गुणवत्ता

-यह देख लोग बोले- शानदार एक्सप्रेसवे, प्रोजेक्ट समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पूरे देश में एक्सप्रेसवे और हाईवे का नेटवर्क बिछा दिया है। कई जगह काम चल रहा है। गडकरी खुद इसकी मोनिटरिंग कर रहे हैं और निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे में जाकर गुणवत्ता की जांच कर रहे हैं। इतना ही नहीं एक्सप्रेसवे पर अपने वाहन को तेज दौड़ाकर भी इसकी गुणवत्ता परख रहे हैं, जिससे सफर के दौरान वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी न हो। इस तरह एक एक्सप्रेस के निरीक्षण के दौरान उनकी गाड़ी 140 की स्पीड में दौड़ी और वह आगे बैठकर देखते रहे।

दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे तैयार होने वाला है। यह कई पैकेज में बनाया जा रहा है, जैसे-जैसे पैकेज तैयार होते जा रहे हैं, उसे आम लोगों के लिए खोला जा रहा है। नितिन गडकरी इस ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे वड़ोदरा मुंबई एक्सप्रेसवे के पैकेज छह और सात के निरीक्षण के लिए गए। इस दौरान उनके साथ मंत्रालय और एनएचएआई के सभी अधिकारी मौजूद थे। गडकरी ने एक्सप्रेसवे का रिव्यू किया और अधिकारियों को निर्देश

दिए कि गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ कुछ प्रोजेक्ट को समय पूरा करने के भी निर्देश दिए, क्योंकि कई जगह काम धीमा चल रहा है।

रिव्यू करने के बाद वे अपनी गाड़ी में बैठे और गाड़ी 140 किमी की स्पीड से दौड़ाई। इतनी स्पीड इसलिए रखी, जिससे पता चल सके कि अगर लोग अपना वाहन इस स्पीड से दौड़ाएंगे तो उनकी गाड़ी में झटके तो नहीं लगेंगे। वे सुविधाजनक और सुरक्षित सफर कर सकें। यह देखकर लोगों ने कहा कि बहुत ही शानदार एक्सप्रेसवे बन रहा है। वडोदरा-मुंबई ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे कुल 380 किमी लंबा है, जिसमें से पैकेज-6 और 7 महाराष्ट्र के पालघर-ठाणे इलाके में आते हैं।

भारतीय रेलवे द्वारा तैयार की गई सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदेभारत एक्सप्रेस 180 किमी प्रति घंटे की स्पीड के हिसाब से डिजाइन की गई है, लेकिन 160 की स्पीड में दौड़ सकती है। मौजूदा समय दिल्ली से भोपाल वाली ट्रेन आगरा तक ही 160 की स्पीड में दौड़ती है, अन्य सभी ट्रेनें 100 से 130 किमी की स्पीड से दौड़ती हैं, इसलिए नितिन गडकरी की गाड़ी वंदेभारत की स्पीड से दौड़ी।

एनएचएआई दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहा है, जिसकी लंबाई 1250 किमी है। नौ फेज में बन रहे एक्सप्रेसवे का 80 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। छठवां और सातवां पैकेज इसी एक्सप्रेस का हिस्सा है। इससे दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के तमाम शहरों के लोगों का आवागमन आसान होने जा रहा है। कुछ पैकेज पहले ही खोले जा चुके हैं और ट्रैफिक चल रहा है।

अजित पवार ने मुंबई की मतदाता सूची पर सवाल उठाए... लाखों डुप्लीकेट मतदाता

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुंबई की मतदाता सूची पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा है कि लिस्ट में लाखों डुप्लीकेट मतदाता होने की बात कही हैं। अजित पवार का बयान तब आया है, जब देश भर में एसआईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण का काम जोर पकड़ रहा है। साथ ही बीएमसी चुनाव की तैयारियां भी जारी हैं। राज्य के कई स्थानीय निकायों के चुनाव दो दिसंबर को होने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना की रैली में पवार ने कहा, मुंबई में दोहरे, तिहरे और चौगुने मतदाताओं की संख्या करीब 11 लाख है। हाल ही में एक ट्रेंड देखा गया है, जहां अगर किसी के पक्ष में मतदान नहीं हो रहा है, तब कुछ मतदाताओं को अलग वार्डों में भेज दिया जाता

है। मैंने निर्वाचन आयोग से सूची में हुई गलतियों को सुधारने का अनुरोध किया है। ऐसा सालों से हो रहा है। महाराष्ट्र में इस तरह की डबल, ट्रिपल वोटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रहीमतपुर नगर परिषद चुनावों से पहले रैली में उन्होंने मेयर पद के लिए नंदन सुनील माने का समर्थन किया। उन्होंने कहा, चुनाव धमकियां देकर नहीं जीते जाते। मतदाताओं से बदतमीजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉक्टर बाबासाहब आंबेडकर ने हर जाति और धर्म, अमीर और गरीब के लिए वोट के समान अधिकार सुनिश्चित किए हैं। अगर कोई अधिकारी जानबूझकर या अनजाने में गलती कर रहा है, तब उस तत्काल सुधारा जाना चाहिए। लोगों को फैसला करने दें कि वे किसे जीतते देखना चाहते हैं। पवार के 'वोट तुम्हारे हाथ में है, तब निधि हमारे हाथ में है' वाले बयान पर राकंवा (एसपी) चीफ शरद पवार ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पैसों का वादा कर वोट मांगना गलत है। अजित पवार ने पिछले सप्ताह पुणे जिले की बारामती तहसील के मालेगांव में मतदाताओं से कहा कि यदि वे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनते हैं, तब शहर के लिए पैसों की कमी नहीं होने दी जाएगी, लेकिन अगर मतदाताओं ने उन्हें नकार दिया गया, तब मैं भी नकार दूंगा।

दिल्ली बम धमाकों ने आतंकवाद से जुड़े कई मिथकों को तोड़ दिया : राम माधव

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आरएसएस नेता राम माधव ने दिल्ली लाल किला ब्लास्ट से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल के बारे में बयान दिया है। संघ के नेता राम माधव ने अल फलाह यूनिवर्सिटी से सामने आए डॉक्टर मॉड्यूल और लाल किले के पास हुए आतंकी हमले के मुख्य आरोपी (जो कि एक डॉक्टर था) के बारे में कहा कि आतंकवाद से जुड़े कई मिथकों को तोड़ा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अब तक यह माना जाता था कि आतंकवाद का शिक्षा से कोई लेना-देना नहीं है और यह गरीबी का परिणाम है। लेकिन लाल किला ब्लास्ट की घटना ने साबित कर दिया है कि आतंकवाद का शिक्षा या गरीबी से कोई लेना-देना नहीं है। यह एक धारणा (परसेप्शन), एक सोच (आइडियोलॉजी) का परिणाम है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि ओसामा बिन लादेन इंजीनियर था और अल-जवाहिरी डॉक्टर था, फिर भी आतंकवादी थे। उन्होंने इस बात को खारिज किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। उन्होंने यह स्वीकार किया कि किसी एक धर्म को पूरी तरह से आतंकवाद से नहीं जोड़ा जा सकता। एक आतंकवादी का अपना धर्म होता है। लोग धार्मिक आधार पर आतंक की तरफ बढ़ रहे हैं। दिल्ली ब्लास्ट का मुख्य आतंकी अपने कृत्यों को सही ठहराने के लिए कुरआन की आयतों का हवाला दे रहा था। हमें अब यह मानना पड़ेगा कि आतंकवादियों की धार्मिक प्रेरणा होती है।

धुएं का अलर्ट: दिल्ली-अहमदाबाद फ्लाइट की कराना पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली से अहमदाबाद जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2939 गुरुवार को बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बची। टेकऑफ के ठीक बाद कॉकपिट में कार्गो होल्ड से धुएं का इंडिकेशन मिला, जिससे क्रू ने तुरंत एहतियाती कदम उठाए। स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पायलटों ने फ्लाइट को दिल्ली वापस लौटाया और सुरक्षित लैंड कराया। एयर इंडिया के अधिकारी ने बताया कि अलर्ट के बाद क्रू ने कोई जोखिम नहीं लिया और विमान को रनवे पर उतार दिया। जांच में पता चला कि धुएं का इंडिकेशन गलत था, यानी कोई वास्तविक खतरा नहीं था।

एयर इंडिया ने एक्स पर आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया, 27 नवंबर को फ्लाइट एआई 2939 के क्रू ने टेकऑफ के तुरंत बाद स्मोक इंडिकेटर दिखने पर दिल्ली लौटने का फैसला किया। पूरी जांच के बाद यह फॉल्स अलार्म पाया गया। विमान सुरक्षित उतरा और सभी पैसेंजर्स व क्रू को उतार लिया गया। ग्राउंड टीम ने यात्रियों को तुरंत सहायता दी और वैकल्पिक व्यवस्था कर उन्हें गंतव्य

तक पहुंचाया। इस असुविधा के लिए खेद है। सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।÷ इस घटना से यात्रियों में घबराहट हुई, लेकिन क्रू की सतर्कता से सब सुरक्षित रहे।

गुवाहाटी-हैदराबाद फ्लाइट रद्द

इसी दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट आईएक्स 2884 'अनदेखे ऑपरेशनल कारणों' से रद्द हो गई। यह घटना तब सुर्खियों में आई जब भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज ने एयरलाइन पर देरी और कम्युनिकेशन की कमी का आरोप लगाया। फ्लाइट शाम 7:25 बजे उड़ान भरनी थी, लेकिन बिना सूचना के देरी हुई और अंततः कैंसिल कर दी गई। सिराज ने एक्स पर पोस्ट कर नाराजगी जताई, ÷एयर इंडिया की फ्लाइट आईएक्स 2884 को 7:25 बजे टेकऑफ करना था, लेकिन कोई कम्युनिकेशन नहीं। बार-बार फॉलो-अप के बाद भी सही वजह बताए बिना देरी की गई। यह बेहद फ्रस्ट्रेटिंग है। हर पैसेंजर को बेसिक अपडेट का हक है।

एयरलाइन की सफाई और माफी

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिराज के पोस्ट का जवाब देते हुए खेद जताया, अनदेखे कारणों से फ्लाइट कैंसिल हुई। एयरपोर्ट टीम सभी मेहमानों को मदद कर रही है। हम स्थिति की गंभीरता समझते हैं और आपके धैर्य की सराहना करते हैं। अपडेट देते रहेंगे। कंपनी ने सभी प्रभावित यात्रियों को वैकल्पिक फ्लाइट्स या रिफंड की व्यवस्था का आश्वासन दिया। सिराज की शिकायत से एयरलाइन की कम्युनिकेशन प्रक्रिया पर सवाल उठे, जो पैसेंजर्स की असुविधा का मुख्य कारण बनी। ये दोनों घटनाएं एयर इंडिया ग्रुप की ऑपरेशनल चुनौतियों को उजागर करती हैं। धुएं का फॉल्स अलार्म सुरक्षा प्रोटोकॉल की मजबूती दिखाता है, जबकि फ्लाइट कैंसिलेशन कम्युनिकेशन गैप को। एयरलाइन ने दोनों मामलों में सुरक्षा और सहायता पर जोर दिया, लेकिन यात्रियों की शिकायतें सेवा सुधार की मांग करती हैं।

भारत में युवाओं की संख्या 65 फीसदी, देश विकसित बनाने का संकल्प लें: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

लखनऊ (एजेंसी)। देश के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार की शाम लखनऊ में हुए स्काउट एंड गाइड के जंबूरी कार्यक्रम के समापन समारोह में कहा कि देश की कुल आबादी के 65 फीसदी ऐसे युवा हैं जिनकी उम्र 35 साल से कम है। इन्हीं युवाओं को भारत को विकसित बनाना है, 2047 तक यह सपना पूरा करना है। उन्होंने कहा कि जंबूरी जैसे कार्यक्रम युवाओं को जोड़ते हैं देश में अखंडता की स्थिति बयां करते हैं। इन्हीं युवाओं का आत्म बल हमको विकास की राह पर ले जाएगा।

लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में 23 से 29 नवंबर 2025 तक भारत की सबसे बड़ी युवा सभा-राष्ट्रीय जंबूरी हुई। 61 साल बाद उत्तर प्रदेश को यह सम्मान मिला। देश-विदेश के लगभग 30 हजार स्काउट, गाइड, रेंजर और रोवर इस सात दिवसीय शिविर में शामिल हुए। समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि रहे। अपने सम्बोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बच्चों से कहा कि 35 साल से कम उम्र के युवा कुल आबादी के लगभग 65 प्रतिशत हैं। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी पूरा होगा जब हमारा युवा वर्ग दृढ़ संकल्प के साथ आगे आएगा। उन्होंने खुशी जताई कि जंबूरी जैसे आयोजन न सिर्फ अनुशासन और राष्ट्रीय एकता सिखाते हैं, बल्कि आपदा के समय स्काउट-गाइड हमेशा सबसे आगे लोगों की मदद के लिए खड़े रहते हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अब यह संगठन व्यक्तित्व विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी बहुत अच्छा काम कर रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जंबूरी को 'भारतीय युवा ऊर्जा का महोत्सव' बताया। उन्होंने कहा कि 61 वर्ष बाद उत्तर प्रदेश को यह आयोजन मिला है। इतने बड़े स्तर पर युवाओं का एकत्रित होना महाकुंभ की याद दिलाता है। यहां दुनिया के कोने-कोने से आए बच्चे विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर जाएंगे। सीएम ने स्काउट-गाइड के अनुशासन की तारीफ की और कहा कि ऐसे आयोजन उत्तर प्रदेश को नई पहचान दे रहे हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने युवाओं को संदेश दिया कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। तुम्हारी सकारात्मक सोच और ऊर्जा इस देश की सबसे बड़ी पूंजी है। यही ताकत भारत को विश्व गुरु बनाएगी। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड केवल कौशल नहीं सिखाते, बल्कि मानवता, कर्तव्य और मूल्यों का मजबूत कवच भी देते हैं। स्वच्छ, स्वावलंबी और विकसित भारत की कल्पना इन्हीं मूल्यों से साकार होगी।

संपादकीय

कोच और कप्तान जिम्मेदारी समझें

अपने ही घर में, अपने ही मैदान पर प्रिंस शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम जब कोलकाता के ईडन गार्डेन में दक्षिण अफ्रीका के हाथों पहले टेस्ट में तीसरे ही दिन बुरी तरह पराजित होकर पैवेलियन लौटी थी, तभी क्रिकेट के जानकारों ने साफ कर दिया था कि गुवाहाटी में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में भी अफ्रीकी गेंदबाजों की रफ्तार के आगे भारतीय टीम बिखर जाएगी। मगर वह इतनी बुरी तरह बिखर जाएगी, ऐसी कल्पना शायद क्रिकेट के पंडितों ने भी नहीं की थी! खेलों में हार और जीत चलती रहती है, लेकिन संघर्ष करके हारने वाली टीम अक्सर जीतने वाले से भी अधिक सम्मान पाती है। भारतीय टीम के साथ ऐसा नहीं हुआ।

टीम इंडिया के साथ संभवतः यह विडंबना है कि वह चाहे जीते या हारे, दोनों ही परिस्थितियों में रिकॉर्ड अपने नाम करती ही है। गुवाहाटी टेस्ट में हार के बाद उसके नाम टेस्ट क्रिकेट में 408 रनों से सबसे बड़ी हार का कीर्तिमान भी दर्ज हो गया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के संन्यास के बाद भी टीम इंडिया के पास बेहतरीन खिलाड़ी मौजूद थे, लेकिन नए अनुभवहीन कप्तान और कोच के अड़ियल रवैये के चलते खिलाड़ियों को मैदान में कभी खुलकर खेलने का मौका ही नहीं मिला। इसी कारण अपने ही घर में भारत को इस तरह करारी शिकस्त मिली है। जब जीत का सेहरा कप्तान और कोच, दोनों बराबर बांटते हैं, तो हार की जिम्मेदारी भी उनको समान रूप से स्वीकार करनी चाहिए। खिलाड़ियों पर दोषारोपण कर देने मात्र से कप्तान और कोच अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते।

असलियत यही है कि टीम इंडिया के कोच अक्सर हाथ बांधे, मुंह चढ़ाए बैठे रहते हैं। उन्हें शायद ही कभी खिलाड़ियों को मुस्कराकर प्रेरित करते या उनमें जोश भरते देखा गया है। वह अपना चेहरा इतना ह्यगंभीरह्ल बनाए रखते हैं कि युवा खिलाड़ियों से सजी टीम अपना नैसर्गिक खेल ही नहीं खेल पाती। यह तस्वीर अब बदलनी चाहिए। कोच और कप्तान को मिलकर ऐसी रणनीति बनानी चाहिए, जिससे टीम इंडिया फिर से अर्श पर पहुंचती दिखे।

यह सच है कि अपने ही घर में एक छोटे कद के अफ्रीकी कप्तान ने टेस्ट क्रिकेट में हमें इतनी बड़ी हार दी है कि उसके घाव जल्द भर नहीं पाएंगे, लेकिन उम्मीद का दामन हमें छोड़ना नहीं चाहिए। अगर आज हम फर्श पर हैं, तो कल फलक पर फिर चमकेंगे। कोच और कप्तान चाहें, तो आपस में मिलकर यह भरोसा क्रिकेटप्रेमियों को दे सकते हैं।

फिलीस्तीन की धुन्ध में उगती आशा की किरण

दिलीप कुमार पाठक

फिलिस्तीनी लोगों के साथ अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता दिवस, जो प्रतिवर्ष 29 नवंबर को मनाया जाता है, संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 181 के स्मरण में मनाया जाता है। यह फिलिस्तीनी अधिकारों और आत्मनिर्णय के लिए चल रहे संघर्ष को रेखांकित करता है, विशेष रूप से गाजा में मानवीय संकट के बीच। यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय समर्थन, न्याय और फिलिस्तीनी राज्य के दर्जे को मान्यता देने का आह्वान करता है। गाजा में पिछले वर्षों में हजारों लोगों की जान जा चुकी है, यह इलाका अपने इतिहास के सबसे गम्भीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है, और नाजुक युद्धविराम के बावजूद बच्चों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है, यहां से आती हुई तस्वीरें देखकर किसी भी संवेदनशील इन्सान का हृदय टूट जाता है, युद्धविराम लागू होने के बाद भी लगभग 67 बच्चों की मौत हो चुकी है ' गाजा में लाखों लोग भीषण भूख और अकाल का सामना कर रहे हैं, और बच्चे गंभीर कुपोषण से जूझ रहे हैं '

10 अक्टूबर 2025 को युद्धविराम समझौता हुआ, जिससे 20 बंधकों की सुरक्षित वापसी हो सकेगी तथा गाजा में सहायता बढ़ सकेगी। 13 अक्टूबर को, ICRC ने 20 बंधकों को इजराइली अधिकारियों और 1,808 फिलिस्तीनी बंदियों को गाजा और पश्चिमी तट तक सुरक्षित पहुँचाया। उस दिन कुल 1,718 बंदियों और 250 कैदियों को रिहा किया गया, और ICRC ने सभी के रिहाई-पूर्व साक्षात्कार आयोजित किए। मृत बंधकों और फिलिस्तीनी बंदियों के अवशेषों का स्थानांतरण जारी है।

फिलिस्तीन के लिए यह तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 181 की याद में मनाया जाता है, जिसमें 1947 में फिलिस्तीन को अलग-अलग यहूदी और अरब राज्यों में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह दिवस 1978 से मनाया जा रहा है और फिलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत उनके अधिकारों के लिए चल रहे संघर्षों को उजागर करता है। इस वर्ष का स्मरणोत्सव, जो 29 नवंबर, 2025 को आयोजित होगा, गाजा में चल रहे मानवीय संकट के कारण एक अत्यंत मार्मिक समय पर हो रहा है, जो हाल के संघर्षों के कारण और भी बदतर हो गया है। फिलिस्तीनियों के लिए सम्मान, अधिकार, न्याय और आत्मनिर्णय के मूल उद्देश्य पहले से कहीं अधिक मायावी प्रतीत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रमुख ने हमास द्वारा किए गए हमलों और फिलिस्तीनियों को दी गई सामूहिक सजा, दोनों की निंदा की और तत्काल मानवीय राहत की माँग की। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की ओर से सम्पूर्ण मानवीय सहायता की आवश्यकता के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण संदेश सुने गए, विशेष रूप से यूएनआरडब्ल्यूएस की ओर से, जो लाखों फिलिस्तीनियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करती है।

फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों के प्रयोग संबंधी समिति के अध्यक्ष शेख नियांग ने कहा कि पिछले दिनों में गाजा में 52,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं और इनमें आधे से ज्यादा महिलाएँ और बच्चे हैं। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अभूतपूर्व मानवीय आपदा थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने संप्रभु राज्यों की पारस्परिक मान्यता के साथ इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया। अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और दुनिया भर के अन्य कार्यालयों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इनमें विशेष बैठकें शामिल होंगी जहाँ वैश्विक नेता और कई देशों के प्रतिनिधि फिलिस्तीनियों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करेंगे और उनके अधिकारों को मान्यता देने का आग्रह करेंगे।

पूर्व में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी आज जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, गाजा पट्टी और पश्चिमी तट में रहने वाले लगभग 59 लाख पंजीकृत फिलिस्तीनी शरणार्थियों को महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करती है। UNRWA 663 से ज्यादा स्कूलों के माध्यम से शिक्षा, 125 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य सेवा, और कमजोर आबादी के लिए खाद्य सहायता और नकद सहायता जैसी राहत सहायता प्रदान करती है। यह एजेंसी संघर्षों में आपात स्थितियों में आश्रय और आवश्यक वस्तुएँ प्रदान करके भी प्रतिक्रिया देती है। यह अपने द्वारा संचालित 58 मान्यता प्राप्त शरणार्थी शिविरों में अपने बुनियादी ढाँचे में निरंतर सुधार कर रही है। लगभग 30,000 कर्मचारियों, जिनमें से स्वयं फिलिस्तीनी शरणार्थी हैं, के साथ यह अल्पकालिक मानवीय आवश्यकताओं और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों, जैसे कि लाखों फिलिस्तीनियों को चल रहे संघर्षों और कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक सेवाएँ प्रदान करने, दोनों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह बेहद जरूरी है कि इस युद्धविराम समझौते का पालन किया जाए। हमें स्थिरता और पुनर्निर्माण के लिए एक स्थायी प्रतिबद्धता देखने की जरूरत है, जिसमें सभी पक्ष गाजा में नागरिकों, सहायताकर्मियों और चिकित्सा सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें, जिससे फिलिस्तीन में भी खुशियो की सुबह हो '

(लेखक पत्रकार हैं)

मासूम चेहरों के पीछे छिपा आतंकवाद, क्रूरता और विध्वंस

डॉ. अंशुल उपाध्याय

आतंकवाद जाति और मजहब के नाम पर गहरा धब्बा हैं। जो लोग भी इस कृत्य में शामिल होते है उनकी जीवन प्रत्याशा अपने आप ही कम जाती हैं। एक ओर जहां आतंकी नेटवर्क को चलाने के लिए बालकों के दिमाग में जहर और नफरत भरकर उनको कम उम्र में ही इस काम में धकेल दिया जाता है। वही दूसरी और युवाओं को रुपए और उनके परिवार का पोषण का जूठा वादा करके आतंकी बनने के लिए घसीट लिया जाता है।

अव्वल दर्जे की मनोवैज्ञानिक ट्रेनिंग का नतीजा होते हैं आतंकी

बदलते परिवेश में मनोवैज्ञानिक तरीके से युवक और युवतियों का धीरे-धीरे ब्रेनवाश करके 15 से 16 वर्ष की आयु तक उन्हें एक ट्रेंड और क्रूर आतंकी बना दिया जाता है। फिर ये मासूम एक ऐसे व्यक्ति बन जाते है जिसका खुद का दिमाग चलना ही बंद हो जाता है। और जो भी उन्हें आदेश या टारगेट दिए जाते हैं वे अपना दिमाग बिना चलाए आंख मूंद कर उन टारगेटों को पूरा करने के लिए निकल जाते हैं। फिर चाहे उन्हें सुसाइड बंबर बनकर अपने ही शरीर के चीथड़े ही क्यों ना उडाने पड़े। आतंकवादियों को जरा भी इस बात का इल्म नहीं होता कि उन्होंने उनके इस काम से कितने मासूमो को मारा है ।

इतनी क्रूरता आखिर किस लिए सिर्फ? सरकार को दिखाने के लिए या जनता को डराने के लिए? या फिर अपने नाकाम मानसून को पूरा करने के लिए? इस पर मैं बस इतना कहूंगी कि ये घटनाएं सिर्फ एक क्रूर मनुष्य के दिमाग से जन्म लेती है और विचलित, ब्रेन लॉक मनुष्य के द्वारा अंजाम तक पहुंचाई जाती हैं। जिनका मकसद सिर्फ समाज में आतंकवाद डर को फैलाना होता है।

कश्मीर की आड़ में अपने खूनी मंसूबों को अंजाम देते हैं आतंकी

आतंकवादी ऐसे लक्ष्य विहीन लोग होते है जो,कश्मीर की आड़ में कश्मीर को ही खोखला कर रहे है। कश्मीर में रहने वाला शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा जिसने आतंक के इस डरावने चेहरे का सामान न किया हो। पाकिस्तान मैं बैठे कुछ लोग अगर कश्मीर की आजादी की बात कर रहे है तो इसमें कोई भी दो मत नहीं है कि जितना वह आतंक और नरसंहार फैला रहे है उसके बाद उनसे शांति और करुणा की बात करना बेफिजूल ही है ।

ये न केवल अपने खूनी मंसूबों को ही अंजाम दे रहे हैं। बल्कि हथियारों का निर्माण और उनकी तस्करी करने वालों को भी सीधा फायदा पहुंचा रहे हैं। हथियारों की तस्करी करने वाले ये लोग तो अमीर देशो में बैठे हुए हैं। और आतंकवादी बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता हैं मिडिल क्लास और निम्न तबगे के लोगों का। जबकि इन आर्तकियों के जो हुक्मरान होते हैं वह खुद अपने बच्चों और परिवार को तो लग्जरी लाइफ देते हैं और आम जन को बली चढ़ाने के लिए आतंकवाद की आग में झोंक देते हैं।

दिल्ली में विस्फोट के पीछे का काला सच

वर्तमान घटना क्रम की बात करे तो, दिल्ली लाल किले के पास हुए जोरदार कार धमाके में डॉ. उमर नबी ने करीब 30-40 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया था। पुलिस इस बात की आशंका जता रही हैं। कि इस धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल हुआ है।सूत्रों के मुताबिक आतंकी ने विस्फोट को और खतरनाक बनाने के लिए अमोनियम नाइट्रेट के अलावा दूसरे पदार्थों का भी इस्तेमाल भी किया होगा। जिसकी जांच अभी चल रही है। इन्हीं केमिकल पदार्थों के द्वारा ही धमाका काफी जोरदार हुआ था और इसकी गूंज काफी दूर तक सुनाई दी थी। मार्च 2020 में गिरफ्तार अलीपुर महिला सुधार गृह में बंद परवीन जो मौलाना मसूद अजहर की बहन, है और लश्कर - ए -तैयबा की एक हैंडलर भी है से पूछ ताछ में पता चला है कि वह खुद जैश की महिला शाखा की प्रमुख सईदा अजहर के निदेर्शों पर काम करती थी। परवीन कथित तौर पर आतंकवादियों के लिए ऑनलाइन भर्ती का काम संभालती थी और उसकी गतिविधियों पर नजर रखती थी है।

आज आतंकी सिर्फ पहाड़ों में छिपे बंदूकधारी नहीं रह गए है, बल्कि यहां तो यूनिवर्सिटी में पढने वाले डॉक्टर, इंजीनियर और टेक-सेवी नौजवानो को भी आतंकी बनाया जा रहा हैं। भारत के भीतर व्हाइट कॉलर टेरर का ऐसा नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मेडिकल पेशे की आड़ में देश को अस्थिर करने की साजिश रच रहा था।

घटना के बाद परिवार द्वारा शव का बहिष्कार

फिदायीन आतंकी डॉ. उमर नबी जिसके इस विस्फोट में टुकड़े टुकड़े हो गए थे, उसके शव के कई टुकड़े मोर्चरी में रखे हुए हैं। डीएनए से उसके शव की पहचान भी हो गई है। फिर भी उमर का शव लेने के लिए अभी किसी ने भी दावा नहीं किया है। ये वही डॉ. उमर है जो पहले विस्फोटक से लदी कार लेकर दिल्ली के वीआईपी इलाकों में घूमता रहा और बाद में इसने इस भयानक विस्फोट को अंजाम दिया। उमर की उम्र 43 वर्ष ही थी और वह अल फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद से जुड़ा हुआ था। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां उसके परिवार से लगातार पूछताछ कर रही हैं। पर विचार करने वाली बात यही है की, ऐसे नौजवान जो आतंक के हत्थे चढ़ जाते है अपने पीछे अपने पूरे परिवार को जीवन भर के लिए बदनामी और सामाजिक बहिष्कार का हिस्सा बना जाते है।

(लेखिका फॉर्मर यू.जी.सी. सीनियर रिसर्च फैलो (रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन), दिल्ली रह चुकी हैं।)

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उदेश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मित्र नहीं हो सकता चीन भारत को सावधान रहना होगा

अमेरिका के साथ व्यापार रिश्तों में कड़ुवाहट के बाद भारत का झुकाव चीन की ओर बढ़ा है लेकिन चीन चीन एक बार फिर अपनी विस्तारवादी नीति, उकसावे की भाषा और ऐतिहासिक तथ्यों की मनमानी व्याख्या के सहारे भारत की संप्रभुता को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की संभावना बढ़ गयी है। शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय मूल की महिला पैमा यांगजोम घोंगडोक के साथ हुए व्यवहार पर भारत द्वारा दर्ज किए गए कड़े विरोध के बाद चीन की जो प्रतिक्रिया आई, वह न केवल अस्वीकार्य है. बल्कि अंतरराष्ट्रीय मयार्दाओं का भी खुला उल्लंघन करती है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है, एक बार फिर यह साचित करता है कि बीजिंग ने तथ्यों, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और कूटनीतिक शालीनता से ऊपर अपनी साम्राज्यवादी सोच को रखा है। भारत को आपत्ति बिल्कुल वैध है, क्योंकि किसी भारतीय नागरिक को सिर्फ इसलिए इनवैलिड पासपोर्ट का हवाला देकर रोका जाए कि उसका जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश है, यह चीन की मानसिकता को उजागर करने के लिए काफी है। पूरे मामले की शुरूआत पेमा वांगजोम के उस सोशल मीडिया पोस्ट से हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को लंदन से जापान जाते समय शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन ने उनके पासपोर्ट को इनवैलिड बताकर रोका। केवल इसलिए कि जन्मस्थान की कॉलम में अरुणाचल प्रदेश, भारत लिखा था। यह घटना कोई तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि चीन की लंबे समय से अपनाई गई रणनीति, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अरुणाचल की भारतीय पहचान को चुनौती देने का प्रयास का एक और उदाहरण है। भारत ने सही ढंग से चीन को इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसे बेतुका, अवैध और उत्पीड़क बताया। लेकिन जवाब में चीन ने न केवल अपनी गलती मानने से इंकार किया, बल्कि उल्टे अरुणाचल पर अपना दावा दोहराकर भारत को उकसाने की कोशिश की। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह बात ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक रूप से निर्विवाद सत्य है। चीन द्वारा बार-बार उसके अस्तित्व को चुनौती देना केवल कूटनीतिक अशिष्टता नहीं, क्षेत्रीय अस्थिरता को भड़काने का प्रयास है। भारत का यह कहना बिल्कुल सही है कि एक यात्री को जन्मस्थान के आधार पर रोकना न सिर्फ बेतुका है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विमानन व वीजा मानदंडों के खिलाफ भी है। चीन का यह रवैया बताता है कि उसकी विस्तारवादी नीतियों अभी भी बरकरार हैं, चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान हो या फिर अरुणाचल प्रदेश। बार-बार ये बयान और ऐसे उत्पीड़क कदम इस बात का संकेत हैं कि बीजिंग वास्तविकता स्वीकारने को तैयार नहीं है। लेकिन भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह कड़े व स्पष्ट कूटनीतिक रुख के साथ दुनिया के सामने चीन की मनमानी व आक्रामकता को उजागर करता रहे। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि सीमा विवाद से परे भी चीन की नीति में भारत विरोध की गहरी जड़ें हैं। दुनिया इसे समझ रही है और भारत को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रश्न पर किसी भी प्रकार का समझौता न करे। यह इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि चीन आए दिन अरुणाचल पर अपना दावा करता रहता है। दरअसल चीन अरुणाचल प्रदेश के 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपना बताता है. वह इस क्षेत्र को चीनी भाषा में जांगनान कहता है और बार-बार दक्षिण तिब्बत का जिक्र करता है। चीन के मैप या मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाया गया है। वो कभी-कभी इसका तथाकथित अरुणाचल प्रदेश के रूप में उल्लेख करता है। चीन समय-समय पर भारतीय क्षेत्र पर अपने एकतरफा दावे को पुष्ट करने का प्रयास करता रहता है। सिर्फ इतना ही नहीं, अरुणाचल प्रदेश के स्थानों को चीनी नाम देना देता रहा है। इसी साल मई महीने में अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने का बेतुका काम किया था। विस्तारवादी चीन ने अरुणाचल में 27 जगहों के नाम बदले थे। चीन ने ये नाम चीनी यानी मैंडेरिन भाषा में रखे थे। चीन ने इन जगहों की सूची ग्लोबल टाइम्स अखबार की वेबसाइट पर जारी की थी। चीन ने बीते आठ सालों में अरुणाचल प्रदेश की 90 से ज्यादा जगहों के नाम बदले हैं। चीन द्वारा अरुणाचल के नाम बदलने पर भारत ने भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कहा था कि चीन का ये एक व्यर्थ और निरर्थक प्रयास है। अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। दरअसल पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में मैकमोहन लाइन की कानूनी स्थिति को लेकर विवाद है। यह तिब्बत और ब्रिटिश भारत के बीच की सीमा है, जिस पर 1914 के शिमला सम्मेलन में सहमति बनी थी, जिसे आधिकारिक तौर पर ग्रेट ब्रिटेन, चीन और तिब्बत के बीच सम्मेलन कहा जाता है। शिमला सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व चीन गणराज्य के एक महादूत द्वारा किया गया था। उसे 1912 में किंग राजवंश के पतन के बाद महादूत घोषित किया गया था। वर्तमान साम्यवादी सरकार 1949 में ही सत्ता में आई थी। चीनी प्रतिनिधि ने शिमला कन्वेंशन पर सहमति नहीं जताते हुए कहा कि तिब्बत को अंतरराष्ट्रीय समझौता करने का कोई अधिकार नहीं है। शिमला में मुख्य ब्रिटिश वार्ताकार हेनरी मैकमोहन थे। उन्हीं के नाम पर मैकमोहन लाइन का नाम रखा गया। यह लाइन भूटान की पूर्वी सीमा से चीन-म्यांमार सीमा पर इसु रजी दरें तक खींची गई थी। चीन मैकमोहन लाइन के दक्षिण में अरुणाचल प्रदेश में स्थित क्षेत्र पर अपना दावा करता है। अपने दावों का आधार तवांग और ल्हासा के मठों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को भी मानता है। चीन इसे एक तरह की दबाव की रणनीति के रूप में देखता है। यह बीजिंग की प्रोपेगंडा वाली विचारधारा का हिस्सा है, जिसके तहत जब भी कोई भारत का कोई सेलेब्रिटी अरुणाचल प्रदेश का दौरा करता है, तो वह नाराजगी भरे बयान जारी करता है। हालांकि अरुणाचल प्रदेश के साथ भारत की संप्रभुता की मान्यता पूरी दुनिया में स्थापित है। अंतरराष्ट्रीय मानचित्रों में भी अरुणाचल प्रदेश भारत के हिस्से के तौर पर देखा जाता है। विदेशी मीडिया में भी इस बात को लेकर कभी किसी तरह की कोई कंफ्यूजन नहीं रही, लेकिन चीन तिब्बत के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश पर भी दावा करने की कोशिश करता रहा है। दूसरी तरफ भारत ने हमेशा शांतिपूर्ण कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करते हुए सीमा विवादों के समाधान की कोशिश की है। पर चीन हर बार नाम बदलने, गलत दावे करने, मैप प्रकाशित करने और अब व्यक्तिगत नागरिकों को परेशान करने जैसी हरकतों से तनाव बढ़ाने की भूमिका निभाता रहा है। लेकिन चीन को समझना होगा कि इस प्रकार की घटिया हरकत से उसको कुछ हासिल होने वाला नहीं है। अरुणाचाल हमेशा से भारत का अभिन्न हैं और रहेगा। भारत उसकी हर घटिया हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने में समक्ष है। उसकी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं जितनी बढ़ेंगी, भारत की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प उतना ही मजबूत होगा। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, इसलिए अच्छा होगा कि वह अपनी घटिया हरकतों से बाज आए, ताकि रिश्तों में सुधार का जो सिलसिला चल रहा है, वह जारी रहे।लेकिन चीन आदत से बाज आएगा इसमें संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

अभिनेता प्रदीप नागर के न्यू सॉन्ग 'लव यू मेरी सासु की' ने मचाया धमाल,9 दिन में 4 मि. व्यूज पार

अभिनेता प्रदीप नागर ने गजरौला पहुंचकर की प्रमोशन प्रेस वार्ता

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार की दोपहर गजरौला में बॉलीवुड फिल्म अभिनेता प्रदीप नागर ने अपने साथियों संग पत्रकारों के साथ एक प्रेस वार्ता की, प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने हाल ही में रिलीज हुए अपने नए गाने 'लव यू मेरी सासु की' स्टोरी से रूबरू कराया। इस दौरान उनके साथ उनके साथी भी मौजूद रहे।

बता दें कि शुक्रवार की दोपहर इस प्रेस वार्ता को गजरौला स्थित बीकानेर वाला होटल में आयोजित किया गया। प्रेस वार्ता में उन्होंने गाने की शूटिंग कॉन्सेप्ट और ऑडियंस से मिले जबरदस्त रिस्पांस और प्यार पर विशेष चर्चा की साथ ही उन्होंने आगे भी पब्लिक सपोर्ट पाने के लिए लोगों से अपील की ,उन्होंने कहा कि जिस तरह से इन नौ दिनों में पब्लिक ने मेरे नए गाने को लेकर अपना प्यार दिखाया है आगे भी इसी तरह से मुझे पब्लिक का प्यार ऐसे ही मिलता रहे। 'लव यू मेरी सासू की' इस गाने के बारे में जानकारी देते हुए प्रदीप नगर ने बताया कि इस गाने में दिखाई गई सारी लोकेशन अमरोहा जनपद की हैं और मैं भी लोकल का ही रहने वाला हूं गांव से बिलॉन्ग करता हूं ,इस गाने में मेरे साथ मशहूर डांसर और अभिनेत्री सपना चौधरी ने बेहतरीन परफॉर्मेंस दिया है उनकी की मौजूदगी ने गाने की लोकप्रियता को और भी बढ़ावा दिया है ।गजरौला में प्रेस कांफ्रेंस करने का मेरा औचित्य यही है कि इस गाने में अमरोहा के ही सारी लोकेशन एड की गई है साथ ही पारिवारिक तड़के और मनोरंजन से भरा यह गाना दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है जिसका परिणाम पब्लिक ने हमें में 9 दिन में ही दिखा दिया है। इन नौ दिनों में इस गाने पर 4 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार हो गया जिसने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि दर्शकों का प्यार की उनकी सबसे बड़ी ताकत है और आने वाले समय में वे इसी तरह से नए और बेहतरीन प्रोजेक्ट लेकर दर्शकों के बीच आएंगे। इस मौके पर उनके साथ प्रदीप नागर सहित राजेश भाटी, सुरजीत सिंह सिरोही, संजय धूम, सरताज चौधरी, अकरम उस्मानी, डायरेक्टर नागेंद्र, चौधरी नागेंद्र गुर्जर, मोहित भाटी, सहित दर्जनों फिल्मी सितारे मौजूद रहे।

गुलामपुर में एसआईआर के प्रति मतदाताओं को किया जागरूक

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- विधानसभा के बूथ संख्या 121 गुलामपुर में (एसआईआर) मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत गांव के सभी मतदाताओं को जागरुक कर गणना प्रपत्र जमा कराएं। अभी तक बूथ पर लगभग 66 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। अवशेष कार्य भी शीघ्र पूर्ण करने हेतु युद्धस्तर पर प्रयास जारी हैं। प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह ने कहा कि एसआईआर अभियान लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का सशक्त माध्यम है। एसआईआर अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने तथा सूची पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय भागीदारी हेतु ग्रामवासियों को जागरूक किया। ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि जिन लोगों ने अभी तक गणना प्रपत्र भरकर जमा नहीं किए हैं वह भरकर अतिशीघ्र जमा कर दें। इस अवसर पर बीएलओ विशम्बर सिंह, सहायक अमित कुमार, राशन डीलर जगलाल सिंह, पंचायत सहायक सोनिका, आंगनबाड़ी कार्यकत्री स्वाति,दीपचंद सिंह, विनोद कुमार,अजय सागर, मनीष कुमार, राशिद अली,सन्तराम सिंह आदि उपस्थित रहे।

जनपद के 8.5 लाख से अधिक वोटर के गणना प्रपत्र हुए डिजिटाइज

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले की जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स के सतत मार्गदर्शन और अथक प्रयासों से जनपद में मतदाता सूची के गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण का कार्य तेजी पर है, जनपद में 63 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। अद्यतन जानकारी मिलने तक जनपद में 08 लाख 63 हजार 484 मतदाताओं के गणना प्रपत्र डिजिटाइज हो चुके थे। इस कार्य को गति प्रदान करने के लिए उन्होंने निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हुए निरंतर प्रोत्साहित किया। उन्होंने मतदाताओं से विशेष अपील की है कि सभी पात्र मतदाता अपना गणना प्रपत्र (फॉर्म) यथाशीघ्र भरकर शीघ्रातिशीघ्र अपने क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को जमा कर दें तथा अंतिम तिथि का इंतजार न करें। इस महत्वपूर्ण कार्य में जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से भी पूर्ण सहयोग की अपेक्षा की गई है। जिलाधिकारी द्वारा प्रतिदिन सांय को जूम मीटिंग के माध्यम से एसआईआर के कार्यों की बैठक कर एसआईआर के कार्यों की समीक्षा की जा रही है ।जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जनपद में हो रहे मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं नोडल अधिकारियों को तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ और उनके साथ में लगे कार्मिकों को प्रोत्साहित कर एवं उनका मनोबल बढ़ाते हुए कार्य कराया जाए। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों का पूर्णतया पालन कराने तथा एसआईआर की प्रक्रिया को समयबद्ध रुप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी अपने क्षेत्रों में एसआईआर के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि जिला संपर्क केंद्रो/कंट्रोल रूम में आने वाले कॉल एंव जिज्ञासाओं का शीघ्रता से समाधान किया जाए। उन्होंने गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कम प्रगति वाले बूथों को डिजिटाइजेशन के कार्य में तेजी लाने के लिए बीएलओ के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने, साथ ही ह्लबुक अ कॉल विद बीएलओह्व ऐप के लंबित प्रकरणो को शीघ्रता से निस्तारित करने के निर्देश दिए।

दहेज प्रतिषेध दिवस के अवसर सखी वन स्टॉप सेंटर पर एक कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- महिला कल्याण विभाग द्वारा जिला प्रोबेशन अधिकारी के निदेर्शानुसार दहेज प्रतिषेध दिवस के अवसर सखी वन स्टॉप सेंटर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बताया गया कि दहेज एक सामाजिक हिंसा है जिसकी रोकथाम अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए प्रत्येक महिला व पुरुष को स्वयं ही जागरूक होने की आवश्यकता है साथ ही जो लोग दहेज मांगते है या देते है उनका सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिए ताकि समाज में दहेज को एक नकारात्मक प्रथा के रूप में देखा जाए। सामाजिक परामर्शदाता सत्येंद्र कुमार द्वारा बालिकाओं को आत्म निर्भर बनने एवं युवाओ की मानसिकता बदलने , अंधविश्वासों और पुरानी परंपराओं को तोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया । उनके द्वारा बताया गया कि दहेज लेना व दहेज देना एक अपराध है, दहेज की मांग करने, या लेने देने पर 6 महीने से 5 साल तक की कैद और ड्ड15,000 तक का जुमार्ना या दहेज के मूल्य की राशि का भुगतान करना पड़ सकता है, जो भी अधिक हो। सहायक लेखाकार अपूर्ण द्वारा बालिकाओं को योजनाओं की तथा हेल्पलाइन नम्बर, सेंटर मैनेजर ममता दुबे ने वन स्टॉप सेंटर की कार्य प्रणाली की विस्तार से जानकारी दी । इस अवसर पर सखी वन स्टॉप सेंटर के कार्मिक अनुराधा भारती पैरामेडिकल नर्स, स्वाति सिंह, केस वर्कर, नरेंद्र पाल एवं हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्रामोद्योग विभाग की योजना में लाभ लेकर अपना उद्योग स्थापित करे

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में ग्रामोद्योग विभाग द्वारा रोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण प्रदान कराया जा रहा है। इस दौरान जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपए तक का ऋण प्राप्त कर इकाइयां स्थापित करने पर लाभार्थी को पूंजीगत ऋण पर ब्याज का अनुदान प्रदान किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के 18 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसी के साथ योजना के अंतर्गत निर्माण क्षेत्र के एवं सेवा क्षेत्र के उद्योगों को योजना में शामिल किया गया है। दुकान अथवा ट्रेडिंग के उद्योग इस योजना में शामिल नहीं है।

इसी के साथ उन्होंने जिले के बेरोजगारों एवं समूह की महिलाओं से आग्रह किया है कि वो लोग योजना के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें। अथवा कार्यालय रेलवे स्टेशन के पास मोहल्ला पुष्कर नगर अमरोहा में संपर्क करें। योजना का लाभ लेने के लिए upkvib.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

यातायात माह-2025 के अंतर्गत मंडी धनोरा में छात्र-छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को मंडी धनोरा में यातायात माह 2025 के अंतर्गत अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश अनुसार नगर के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने एक जागरूकता रैली निकाली। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने नगर में भ्रमण कर छात्रों को थाना परिसर, विभिन्न शाखाओं की कार्यशैली, शिकायतों के पंजीकरण की प्रक्रिया एवं त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने हेतु बनाई गई व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं थाना प्रभारी द्वारा छात्रों को मिशन शक्ति केंद्र, साइबर सेल, बीट व्यवस्था ,डायल 112 की कार्यप्रणाली एवं यातायात नियमों के पालन के महत्व के बारे में उपयोगी जानकारी दी गई। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। जिसमें छात्रों को हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोगों जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में समझाया गया छात्रों को बताया गया कि यातायात नियमों का पालन स्वयं तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का सबसे सरल और प्रभावित तरीका है। साइबर सुरक्षा के मद्देनजर छात्रों को ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी लिंक, ओटीपी शेयरिंग, सोशल मीडिया सुरक्षा, अननोन कॉल/ मैसेज से सावधानी तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गई ,उन्हें बताया गया कि किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। इसके बाद छात्रों ने पुलिस अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना, उन्हें यातायात व साइबर सुरक्षा की सही जानकारी देना एवं जिम्मेदार व जागरूक नागरिक के रूप में तैयार करना है।

अमरोहा जिले में घर बैठे मिल रहा पीएम किसान सम्मान निधि का समाधान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब किसानों को घर बैठे ही योजना से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान मिलने लगा है। जिले के उप कृषि निदेशक डॉक्टर राम प्रवेश ने बताया कि किसान अब अपने मोबाइल से व्हाट्सएप के माध्यम से कंट्रोल रूम नंबर 7839882775 पर अपना आधार नंबर भेजकर यह जान सकते हैं कि उनकी सम्मान निधि की किस्त क्यों नहीं आई और उसका तुरंत समाधान क्या है इस सुविधा से अब तक सैकड़ों किसानों का ई-केवाईसी, भूमि सत्यापन तथा एनपीसीआई लिंकिंग का कार्य घर बैठे पूरा हो चुका है। विभाग का स्पष्ट लक्ष्य है कि जिले का एक भी पात्र किसान इस योजना के लाभ से वंचित न रहे। किसान चाहें तो इस नंबर पर कॉल या व्हाट्सएप कर सकते हैं।

या नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय एवं कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर भी संपर्क कर सकते हैं। इस पहल से किसानों को बार-बार दफ्तर के चक्कर लगाने से मुक्ति मिल रही है और योजना का लाभ शत-प्रतिशत पात्र किसानों तक पहुँच रहा है।

गजरौला में विधायक खेल स्पर्धा का शानदार शुभारंभ

विधायक राजीव तरारा ने दीप प्रज्वलित कर एवं हरी झंडी दिखाकर की खेलों की शुरूआत

गजरौला/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद में चल रही विधायक खेल स्पर्धा के अंतर्गत गजरौला में भी विधायक खेल स्पर्धा का शानदार शुभारंभ हो गया है। जिसको नगर स्थित रमाबाई डिग्री कॉलेज में आयोजित कराया गया है। इस प्रतियोगिता को दो दिन आयोजित कराया जाएगा। जिसमें आठ प्रकार के खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। बता दें कि शुक्रवार को अमरोहा जनपद में चल रही विधायक खेल स्पर्धा प्रतियोगिता के अंतर्गत गजरौला नगर स्थित रमाबाई डिग्री कॉलेज में विधायक खेल स्पर्धा प्रतियोगिता का शानदार शुभारंभ कराया गया ,जिसकी शुरूआत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मंडी धनौरा विधायक राजीव तरारा ने वहां उपस्थित अधिकारियों के साथ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर एवं हरी झंडी दिखाकर बड़े ही उत्साह के साथ की। इसके बाद विधायक राजीव तरारा ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने आए वहां मौजूद सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को खेल के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि खेल हमारे स्वस्थ जीवन का आधार है क्योंकि अच्छा खेलने से न केवल हम अपने जनपद ,राज्य या देश का नाम रोशन कर सकते हैं बल्कि खेलना हमारे स्वास्थ्य जीवन को भी पूरी तरह से प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि आज आप छोटे स्तर से खेल कर ही उच्च स्तर तक बाजी मार सकते हो। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार पढ़ाई जीवन का महत्वपूर्ण अंग है उसी प्रकार से खेल भी हमारे जीवन का मुख्य हिस्सा होना चाहिए, खेलों से अनुशासन हार जीत स्वीकारने की क्षमता ,शारीरिक और मानसिक विकास होता है, इसलिए खेल हमारे जीवन में अन्य कार्यों की भांति विशेष महत्व रखते हैं। इसके बाद उन्होंने खेल स्पर्धा प्रतियोगिता में शुरू होने वाली पहली दौड़ प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर खेलों की शुरूआत की। इस अवसर पर वहां विधायक राजीव तरारा सहित संबंधित अधिकारी एवं कॉलेज का स्टाफ एवं सैंकड़ों प्रतिभागी विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

भाकियू शंकर के कार्यकताओं ने की मासिक पंचायत

जिलाधिकारी के नाम खंड विकास अधिकारी को सोपा ज्ञापन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान शंकर की मासिक पंचायत ब्लॉक परिसर रहरा में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता सुभाष चंद्र त्यागी ने की तथा संचालन कमल ठाकुर ने किया। मासिक पंचायत में किसानो के हितों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सोपा गया। ज्ञापन में मांग की गई की किसान आयोग का गठन डॉक्टर स्वामीनाथन की रिपोर्ट के अनुसार किया जाए। अमरोहा को विकास प्राधिकरण का दर्जा देते हुए गजरौला में ट्रामा सेंटर की स्थापना की जाए। ब्लॉक परिसर कार्यालय रहरा गंगेश्वरी में आधार कार्ड बनाने के उपकरण कई महीने पहले आ चुके हैं लेकिन आज तक वहां पर मशीने चालू नहीं की गई हैं जिससे क्षेत्र की जनता में भारी रोष है राशन कार्ड व संशोधन का कार्य अति शीघ्र चालू कराया जाए। जिला सहकारी बैंक रहरा के अंतर्गत आने वाली सोसाइटियों पर किसानों का शोषण हो रहा है जिससे अधिकारियों को भी भारतीय किसान यूनियन शंकर ने अवगत कराया दिया था लेकिन सहकारिता विभाग के अधिकारी मौन है। देहरी खादर में 10 केवी विद्युत घर की बहुत पहले शासन के द्वारा प्रस्तावित हो चुका है वहां पर आज तक कोई कार्य नहीं हुआ है जांच कर अति शीघ्र कार्य कराया जाए। इस दौरान बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष डॉ योगेंद्र कुमार शीशपाल सिंह ब्लॉक उपाध्यक्ष, कमल ठाकुर कोषाध्यक्ष, ,राकेश कुमार दौरारा मीडिया प्रभारी, चौधरी नरेंद्र युवा ब्लॉक अध्यक्ष, हेमराज सिंह, मोनू , बालकिशन , भागमल सुभाष त्यागी, कलुआ, इंद्रपाल, रूपकिशोर ,आदि लोग मौजूद रहे।

यातायात नियमों पर निबंध प्रतियोगिता में मीनाक्षी ने बाजी मारी

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- नेहरू मेमोरियल इंटर कालेज ढवारसी में शुक्रवार को यातायात सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा का संदेश दिया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ आदमपुर थाना प्रभारी कुमरेश त्यागी ने किया। छात्रों ने यातायात नियमों के महत्व, सड़क सुरक्षा के उपाय और दुर्घटनाओं से बचने जैसे विषयों पर अपने विचारों को निबंध के माध्यम से समझाया। प्रतियोगिता में इंटर की छात्रा कुमारी मीनाक्षी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुमारी शबनूर ने द्वितीय तथा याचना भारती ने तृतीय स्थान हासिल किया। थाना प्रभारी कुमरेश त्यागी ने विजेता छात्रों को शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी और कहा कि युवा पीढ़ी की जागरूकता ही सुरक्षित भविष्य की कुंजी है। निबंध प्रतियोगिता के बाद छात्र-छात्राओं ने यातायात सुरक्षा और मिशन शक्ति पर आधारित प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से छात्रों ने हेलमेट पहनने की अनिवार्यता, शराब पीकर गाड़ी न चलाने और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक संदेशों को बड़े ही रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। कालेज के प्रधानाचार्य प्रेमवीर त्यागी ने छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रेरणादायक नुक्कड़ नाटक की सराहना की। इस अवसर पर पुलिस चौकी इंचार्ज राम निवास, प्रबंधक किशनपाल त्यागी, पूर्व प्रबंधक राकेश त्यागी तथा समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने सम्भल में दो सुगम्य ज्ञान केंद्रों का किया उद्घाटन

सम्भल(सब का सपना):- मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने शुक्रवार को जनपद सम्भल के दौरे पर दो स्थानों पर दिव्यांग बच्चों के लिए नवनिर्मित सुगम्य ज्ञान केंद्रों का फीता काटकर उद्घाटन किया। मंडलायुक्त ने इसे जिले की शिक्षा व्यवस्था में मील का पत्थर बताया और दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम करार दिया। सर्वप्रथम मंडलायुक्त ने खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय असमोली परिसर में बने सुगम्य ज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया। केंद्र का अवलोकन करने के बाद श्री सिंह ने कहा, यह जनपद के लिए एक नई पहल है। दिव्यांग बच्चों को चिन्हित कर इन केंद्रों के माध्यम से शिक्षित करना शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य होगा। इसके बाद मंडलायुक्त ने खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय सम्भल परिसर में भी दूसरे सुगम्य ज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया। दोनों केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सघन अभियान चलाकर दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन करने और उन्हें तत्काल केंद्रों से जोड़ने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने कहा, जिलाधिकारी सम्भल डॉ. राजेंद्र पैंसिया की यह नई पहल दिव्यांग बच्चों को नई दिशा देगी। शिक्षित होकर ये बच्चे अपने पैरों पर खड़े होंगे और भारत के निर्माण में योगदान देंगे। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में दिव्यांग बच्चों का शीघ्र सर्वे कराया जाए, उनका चिन्हांकन किया जाए और प्राथमिकता के आधार पर सुगम्य ज्ञान केंद्रों में दाखिला देकर शिक्षा सुनिश्चित की जाए। मंडलायुक्त ने बताया कि इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य दृष्टिबाधित, मूक-बधिर, बौद्धिक दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी आदि बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाना है। केंद्रों का संचालन विकास खण्डों में तैनात विशेष शिक्षकों द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी माधवी पाण्डेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, खण्ड विकास अधिकारी सम्भल/असमोली प्रेमपाल सिंह, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शैलजा मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख असमोली संतोष देवी, ब्लॉक प्रमुख सम्भल सुषमा चौधरी, पीएम श्री विद्यालय इटायला माफी के प्रभारी अध्यापक कपिल मलिक सहित तमाम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

49 स्वयंसेवकों को आपदा मित्र प्रशिक्षण वाहन के लिए हरी झंडी दिखाकर लखनऊ रवाना किया

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को आपदा मित्र योजना के तहत जिले के 49 चुने हुए स्वयंसेवकों को 12 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण के लिए राज्य आपदा मोचक बल (SDR F) लखनऊ के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण संभल द्वारा NCC, NSS, नागरिक सुरक्षा और अग्निशमन विभाग से चयनित इन स्वयंसेवकों को 29 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक SDRF मुख्यालय लखनऊ में गहन प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण में आपदा प्रबंधन, आपदा पूर्व तैयारी, भूकंप सुरक्षा, खोज एवं बचाव, अग्नि सुरक्षा, बाढ़ प्रबंधन, आकाशीय बिजली से सुरक्षा, CPR (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) सहित कई महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद ये आपदा मित्र जिले में फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका निभाएंगे और किसी भी आपदा की स्थिति में सबसे पहले पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य करेंगे। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी आपदा मित्र योजना के तहत इन्हें प्रशिक्षण उपरांत आपातकालीन किट, लाइटर, बहुउपयोगी रस्सी, कटर, सीटी आदि आवश्यक उपकरण भी प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर सौरभ पाण्डेय, जिला आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ अच्युत कुमार के साथ-साथ चयनित सभी आपदा मित्र एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संभल में शांति और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने किया पैदल मार्च

संभल(सब का सपना):- कस्बा में कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के उद्देश्य से मुरादाबाद मंडल के आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के साथ पुलिस बल की मौजूदगी में पैदल गस्त की। गस्त के दौरान आयुक्त ने स्थानीय बाजारों, गलियों और संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण किया तथा आम जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि जनपद में शांति और सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। पुलिस व प्रशासन मिलकर किसी भी प्रकार की अफवाह या अशांति फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने भी स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि पुलिस बल पूरी मुस्तैदी से क्षेत्र में तैनात है और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। इस पैदल गस्त से क्षेत्र में सुरक्षा का संदेश गया तथा आम जनता में विश्वास और राहत का माहौल बना।

जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमार पैंसिया ने शुक्रवार को शहजादी सराय स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, लॉग बुक तथा अन्य सभी जरूरी व्यवस्थाओं को गहनता से परखा। डॉ. पैंसिया ने वेयरहाउस के सभी कक्षों का भ्रमण किया और सुरक्षा मानकों के अनुपालन की स्थिति जांची। संतुष्टि जताते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार तथा वेयरहाउस के सुरक्षा एवं तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सतत सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

एक जनपद एक उत्पाद एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना पर जागरूकता बैठक संपन्न

संभल(सब का सपना):- उपनगरी सराय तरीन में "एक जनपद एक उत्पाद योजना के साथ-साथ उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी "मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना" (YUVA) को लेकर एक विशेष जागरूकता एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला उद्योग केंद्र, सम्भल के डिप्टी कमिश्नर लोकेंद्र कुमार ने की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना उत्तर प्रदेश सरकार की एक क्रांतिकारी पहल है, जिसे वर्ष 2025 में शुरू किया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शिक्षित एवं कुशल युवाओं को अपना स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है, ताकि स्वरोजगार को बढ़ावा मिले और प्रदेश के आर्थिक विकास में युवाओं का प्रत्यक्ष योगदान सुनिश्चित हो। जिला उद्योग केंद्र के सहायक प्रबंधक संदीप कुमार ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत "एक जनपद एक उत्पाद" योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, तकनीकी उन्नयन योजना, दुर्घटना बीमा योजना आदि का लाभ युवा उद्यमियों को मिलेगा। मुहम्मद शारिक जीलानी ने युवा उद्यमी योजना के विभिन्न प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी, जबकि जुबैर उमर ने जोर देकर कहा कि सरकार द्वारा संचालित इन योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाने के लिए घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि कोई भी पात्र युवा इनका लाभ उठाने से वंचित न रहे। बैठक में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा योजनाओं को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर हाफिज शाहनवाज, नवीन कुमार, तारिक खान, शारिक जीलानी, जुबैर उमर, सुहैल राशिद, फखरे आलम, अफजाल, रियाजुद्दीन, उवैस सैफी, अजमल, साजिद, अनस, हाजी शाहा आलम, रिजवान, असलम, शादाब सैफी, सरफराज सैफी सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं युवा उद्यमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने इसे युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

संभल ऐतिहासिक चक्की का पाट जीर्णोद्धार के बाद फिर चमका

संभल (सब का सपना):- मुरादाबाद मंडल के आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने शुक्रवार को जिलाधिकारी संभल डॉ. राजेंद्र पेंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की उपस्थिति में टंडन मार्केट के निकट थाना संभल क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक चक्की के पाट का जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने पर विधिवत लोकार्पण/उद्घाटन किया। यह चक्की का पाट संभल की प्राचीन धरोहर का हिस्सा है। वर्ष 2024 में हुई मूसलाधार बारिश के दौरान कीलें गल जाने और दीवार के अत्यधिक जर्जर हो जाने से पूरा पाट धराशायी हो गया था। घटना के तुरंत बाद जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया था तथा नगर पालिका परिषद संभल के अधिशासी अधिकारी को क्षतिग्रस्त पाट व दीवार के पुनर्निर्माण के तत्काल निर्देश दिए थे। नगर पालिका की टीम ने पुरातात्विक महत्व को ध्यान में रखते हुए मूल स्वरूप बनाए रखते हुए जीर्णोद्धार कार्य पूरा किया।

आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने लोकार्पण के दौरान कहा कि संभल की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं नगर पालिका टीम की सराहना की। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी, एसडीएम संभल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने भी इस धरोहर के जीवंत होने पर प्रसन्नता जताई।

छह लोगों की मौत, पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचे, पूरे गांव में शोक की लहर

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- गंगा एक्सप्रेसवे पर गुरुवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। यह परिवार हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव आदमपुर का रहने वाला था और बहजोई के गांव विसारू से बच्चों के नामकरण संस्कार में शामिल होकर घर लौट रहा था। गुरुवार की शाम उनकी ऑल्टो कार को गलत साइड से आ रही सब्जी से भरी पिकअप बोलेरो ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑल्टो कार के परखच्चे उड़ गए और पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया। हादसे में मरने वालों में रोहित खड़गवंशी की पत्नी रेनू 35, बेटी रिया 10, बेटा भास्कर 7, भाभी गीता 28, बहन देववती 46 और भांजा कपिल 12 वर्ष शामिल थे। रोहित और उनके भाई सुनील पिछले 20 वर्षों से आदमपुर में रह रहे थे। क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी व ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने पहुंचकर दुख व्यक्त किया और परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में हम परिवार के साथ हैं। उन्होंने मृतक की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

सीडीओ के निरीक्षण में खुली शिक्षा व्यवस्था की पोल, प्रधानाध्यापक निलंबित

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने हसनपुर क्षेत्र के दो कंपोजिट विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया.। निरीक्षण में शिक्षा व्यवस्था की बदहाली सामने आ गई।शेखूपुर झकड़ी कंपोजिट विद्यालय में चार कमरे, शिक्षक शौचालय व भोजन कक्ष का निर्माण छत स्तर तक पूरा हो चुका है, लेकिन फर्श व फिनिशिंग बाकी है। प्रथम किस्त की राशि खर्च कर उपभोग प्रमाण-पत्र भेजा जा चुका है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका ने तीन दिन में दूसरी किस्त की मांग भेजने के निर्देश दिए। निरीक्षण में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि कक्षा-8 के बच्चों से 4=16 जैसा सामान्य गुणनखंड प्रश्न पूछा गया, लेकिन कोई भी बच्चा जवाब नहीं दे सका। इससे बच्चों की मूलभूत शिक्षा की भयावह स्थिति उजागर हुई। डॉ. मोनिका ने शिक्षिका कंचन त्यागी को लापरवाही के लिए प्रतिकूल प्रविष्टि देने तथा शिक्षकों से गुणवत्ता सुधार व नियमित मूल्यांकन की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।मिड-डे-मील में बड़ा घोटाला पकड़ा गया। रजिस्टर में 100 बच्चे उपस्थित दिखाए गए, जबकि मौके पर केवल 69 बच्चे मिले। 31 बच्चों का भोजन गायब पाया गया। प्रधानाध्यापक सत्यवीर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। दूसरे विद्यालय करनपुर में 23.86 करोड़ का निर्माण कार्य चल रहा है। अब तक 5 करोड़ खर्च हो चुके हैं तथा 11.93 करोड़ की दूसरी किस्त जारी हो चुकी है। बावजूद इसके मौके पर केवल 25 मजदूर मिले। सीडीओ ने कार्यदायी संस्था सीएनडीएस को फटकार लगाते हुए तीन दिन में 100 से अधिक मजदूर लगाने व दिसंबर 2025 तक प्रथम किस्त का गुणवत्तापूर्ण उपयोग करने के सख्त निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार, सहायक अभियंता आदि मौजूद रहे।

बाल विवाह के खिलाफ तिरंगा यात्रा निकाल कर छात्रों ने ली शपथ

सम्भल(सब का सपना):- बाल अपराधों के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाली संस्था ह्यजस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन सम्भल ने एक बार फिर सक्रियता दिखाई। शुक्रवार को प्रयत्न संस्था एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चौधरी सराय स्थित एस.वी.एम. स्कूल के छात्र-छात्राओं ने तिरंगा यात्रा निकालकर बाल विवाह न करने की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण उपस्थित रहे। संस्था प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, बच्चे देश का भविष्य हैं। उनके भविष्य को सुरक्षित रखना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने 27 नवंबर से 100 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया है, जिसके तहत बाल विवाह एवं अन्य बाल अपराधों के खिलाफ पूरे देश में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। चौधरी ने उपस्थित लोगों से अपील की कि अगर आस-पास कहीं बाल विवाह या कोई बाल अपराध दिखे तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या पुलिस हेल्पलाइन 112 पर सूचना दें। उन्होंने कहा, बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक अपराध है। इसे जड़ से खत्म करने के लिए हमें सबको मिलकर आवाज उठानी होगी। हमारा लक्ष्य सम्भल जनपद को पूरी तरह बाल विवाह मुक्त बनाना है। कार्यक्रम में कैप्टन आर्यन, फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद सहित स्कूल के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा के दौरान बच्चों ने बाल विवाह नहीं करेंगे, होने नहीं देंगे जैसे जोशीले नारे लगाए। इस तरह के निरंतर अभियानों से सम्भल में बाल विवाह के खिलाफ जन जागरूकता बढ़ रही है और प्रशासन व सामाजिक संगठन मिलकर इस कुप्रथा को खत्म करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

'जहरीली हवा से छुटकारा देने के बजाय जमकर टैक्स वसूल रही बीजेपी', केजरीवाल का जुबानी वार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा की दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने एक्स पर अकाउंट पर पोस्ट डालते हुए लिखा है, साफ हवा और साफ पानी हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है। उन्होंने लिखा कि दिल्ली सहित उत्तर भारत में हवा जानलेवा हो चुकी है और समाधान देने की बजाय सरकार जनता से टैक्स वसूल रही है। केजरीवाल ने कहा कि लोग अपने परिवार को प्रदूषण से बचाने के लिए एयर प्यूरीफायर लेने जाते हैं, और वहां पता चलता है कि सरकार उस पर 18 प्रतिशत जीएसटी (जीएसटी) वसूल रही है। ये सरासर अन्याय है। केजरीवाल आगे लिखते हैं, मैं केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि एयर और वॉटर प्यूरीफायर पर लगाया गया जीएसटी तुरंत हटाया जाए। समाधान नहीं दे सकते तो कम से कम जनता की जेब पर बोझ डालना बंद कीजिए।

अब देश की राजधानी से भी पलायन ! जहरीली हवा ने 80% लोगों को किया बीमार, दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर डरावनी रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में शुद्ध हवा में सांस लेना अब लग्जरी बन चुका है। कंज्यूमर रिसर्च फर्म स्मिटेन पल्सएआई की ताजा स्टडी ने साफ कर दिया है कि जहरीला स्मॉग लोगों की सेहत, जेब और भविष्य, तीनों को निगल रहा है। दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद के 4,000 लोगों पर किया गया यह सर्वे एक डरावनी हकीकत सामने लाता है kदिल्ली-एनसीआर में सर्वे किए गए कुल लोगों में से 80 परसेंट से अधिक लोगों ने बताया कि उन्हें लगातार हेल्थ प्रॉब्लम हो रही हैं, जिसमें पुरानी खांसी, बहुत ज्यादा थकान और प्रदूषित हवा की वजह से सांस लेने में जलन शामिल है। स्मिटेन पल्सएआई सर्वे से पता चला है कि

पिछले साल 68.3 परसेंट लोगों ने प्रदूषण से जुड़ी खास बीमारियों के लिए मेडिकल मदद ली थी। बता दें कि यह एक हेल्थकेयर संकट है जो बढ़ रहा है। सर्वे में दावा किया गया कि 76.4 परसेंट लोगों ने बाहर घूमना-फिरना काफी कम कर दिया है, जिससे उनके घर वर्चुअल जेल बन गए हैं क्योंकि परिवार जहरीले स्मॉग से बचने के लिए घर के अंदर दुबके हुए हैं। सर्वे से यह भी पता चला कि 79.8 प्रतिशत लोग या तो

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के स्तर ने लोगों के स्वास्थ्य और जीवनशैली पर गंभीर प्रभाव डाला है। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, 80% से अधिक लोग यहां स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, और लगभग 80% लोग बेहतर वातावरण की तलाश में दूसरे शहरों में जाने की योजना बना रहे हैं। प्रदूषण के कारण लोगों के खर्चों में भी वृद्धि हुई है, जिससे मध्यम वर्ग के परिवारों पर वित्तीय बोझ बढ़ गया है।

शिफ्ट होने के बारे में सोच रहे हैं या पहले ही शिफ्ट हो चुके हैं, जिनमें से 33.6 प्रतिशत लोग सीरियसली शिफ्ट होने का प्लान बना रहे हैं। 31 प्रतिशत एक्टिवली इस पर विचार कर रहे हैं, और 15.2 प्रतिशत पहले ही शिफ्ट हो चुके हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि 37 प्रतिशत लोगों ने पहले ही ठोस कदम उठा लिए हैं। वे दूसरे शहरों में प्रॉपर्टी देख रहे हैं, स्कूलों से बच्चों के ट्रांसफर के बारे में पूछ रहे हैं, या घर छोड़ने का फैसला कर रहे हैं। सर्वे में कहा गया है कि पलायन के लिए लोगों की पसंदीदा जगहें खुद ही साफ हैं: पहाड़ी इलाके, कम फैक्ट्रियों वाले छोटे शहर, दिल्ली-एनसीआर के बाहर कहीं भी, और ऐसी जगहें, जहां आपको अपने ब्रीदिंग ऐप को मॉनिटर करने की जरूरत न हो। इसमें आगे कहा गया है कि प्रदूषण ने मिडिल-क्लास परिवारों पर फाइनेंशियल बोझ डाला है, जिसमें 85.3 प्रतिशत ने प्रदूषण के कारण घर के खर्चे बढ़ने की बात कही है, जबकि 41.6 प्रतिशत को काफी फाइनेंशियल दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्मिटन पल्स अक के को-फाउंडर स्वागत सारंगी ने कहा, "स्टडी से पता चलता है कि लंबे समय से खराब एयर क्वालिटी रोजमर्रा की जिंदगी को बदल रही है। इसका असर हेल्थ बिहेवियर, खर्च करने के तरीके और लंबे समय तक रहने के फैसलों पर पड़ रहा है। यह अब सिर्फ पर्यावरण की चिंता नहीं है, बल्कि लाइफस्टाइल और जीवन की क्वालिटी पर असर डालने वाला एक फैक्टर है, जो लगातार, डेटा-ड्रिवन और मिलकर काम करने की जरूरत को दिखाता है।"

25 साल बाद पकड़ा गया कैब चालकों का हत्यारा ! दिल्ली और यूपी-उत्तराखंड में अंजाम दीं कई वारदात

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने 25 साल से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिस पर वर्ष 2001 में दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कैब चालकों की हत्या कर लूटपाट करने के चार मामले दर्ज थे। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान धीरज उर्फ राज सिंह के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच अधिकारियों ने बताया कि धीरज और उसका गैंग टैक्सी किराए पर लेते थे और रास्ते में सुनसान इलाकों में चालक की हत्या कर वाहन लूट लेते थे। पकड़े जाने से बचने के लिए ये लोग शवों को दूर पहाड़ी इलाकों में फेंक देते थे, जबकि लूटी गई गाड़ियों को नेपाल में बेच दिया जाता था। पुलिस का कहना है कि वर्षों से अपनी पहचान बदलकर यह आरोपी छिपता फिर रहा था, लेकिन लगातार तकनीकी निगरानी और इनपुट के आधार पर टीम ने उसे धर दबोचा। पुलिस अब उससे पूछताछ कर गैंग से जुड़े अन्य साथियों और पुराने मामलों में और जानकारी जुटा रही है।

मैरिज लॉन में किशोरी के साथ दुष्कर्म, पीड़ित परिवार की शिकायत पर आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। दक्षिणी दिल्ली के जैतपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग से वैवाहिक कार्यक्रम में आए लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। वहीं, पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी में करने की कोशिश में जुटी है।k

रेल यात्रियों, कृपया ध्यान दें! यूपी और बिहार आने-जाने वाली कई ट्रेनें घंटों लेट

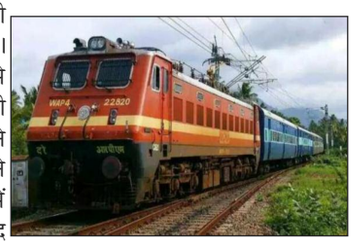

नई दिल्ली। रेल यात्रियों की परेशानियां कम नहीं हो रही हैं। पूर्वी दिशा की कई ट्रेनें दो से 12 घंटे की देरी से चल रही हैं। लोकल ट्रेनों के भी लेट होने से डेली पैसेंजर्स को अपने वर्कप्लेस तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है। आनंद विहार टर्मिनल-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस (15558) एक घंटे की देरी से शाम 4.10 बजे, आनंद विहार टर्मिनल-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल (05580) 12.55 घंटे की देरी से शाम 6.10 बजे और आनंद विहार टर्मिनल-मऊ एक्सप्रेस (15026) 5.35 घंटे की देरी से शाम 7 बजे चलेगी। नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर स्पेशल (02570) सवा घंटे की देरी से दोपहर 2 बजे, नई दिल्ली-वाराणसी काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस (15128) 2.40 घंटे की देरी से दोपहर 2.15 बजे, बेंगलुरु-नई दिल्ली कर्नाटक एक्सप्रेस (12627) 6.41 घंटे की देरी से दोपहर 3.42 बजे और नई दिल्ली-हसनपुर रोड स्पेशल (04098) 14.05 घंटे की देरी से रात 11.35 बजे चलेगी।

9 साल से फरार एनडीपीएस मामले में आरोपी गिरफ्तार, मुस्तफा के खिलाफ दिल्ली में 15 मुकदमे दर्ज

फरार आरोपी मिंटू उर्फ मुस्तफा को क्राइम ब्रांच ने दिल्ली में वाहन चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ दिल्ली में पहले के 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, कोटा के मामले में उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। 15 सितंबर को लक्ष्मी नगर में वाहन चोरी के मामले में वह वांछित था। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक मिंटू, वेस्ट सागरपुर का रहने वाला है। 15 फरवरी 2017 को दिल्ली कैंट के रहने वाले आकाश को जीआरपी कोटा ने कोटा रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया था। तलाशी के दौरान उसके बैग से 300 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। वहीं, जांच के दौरान उसने मिंटू से हेरोइन खरीदने की बात कही थी। जिसके बाद उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया गया था। कुछ समय बाद वहां की कोर्ट ने उसे भगोड़ा भी घोषित कर दिया था। उसके बाद से वह गिरफ्तारी से बच रहा था। आकाश के खिलाफ चार्जशीट भी दायर की गई, उसे उस केस में दोषी ठहरा गया। कोटा की स्पेशल जज माधवी सिंह दिनकर की कोर्ट ने उसे 15 साल कैद और 1.50 लाख रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी।

दिल्ली-एनसीआर के अधिकतर इलाकों में गंभीर श्रेणी में एक्यूआई, क्या है आपके इलाके का हाल?

नई दिल्ली। सर्दियों की शुरूआत के साथ ही दिल्ली-एनसीआर की हवा एक बार फिर जानलेवा हो गई है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के रियल-टाइम डेटा के मुताबिक, दोपहर करीब 1:30 बजे दिल्ली का एवरेज एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 201 रिकॉर्ड किया गया। यह लेवल लंबे समय तक रहने पर सांस की गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस की समस्या वाले लोगों के लिए। शहर में पॉल्यूशन की एक मोटी परत जम गई है, जिससे विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम हो गई है। रियल-टाइम मॉनिटरिंग स्टेशनों के डेटा के मुताबिक, दिल्ली और आसपास के बड़े इलाकों में पॉल्यूशन

का लेवल खतरनाक बना हुआ है। ग्रैप का तीसरा फेज हटा, कोई राहत नहीं हालांकि ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का तीसरा फेज कुछ दिन पहले हटा दिया गया था, लेकिन प्रदूषण का लेवल कम नहीं हुआ है। तीसरे फेज के दौरान लगाई गई मुख्य पाबंदियों में स्कूलों में स्पोर्ट्स एक्टिविटीज पर बैन, कंस्ट्रक्शन के काम पर रोक, प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों पर कड़ी नजर रखना और सड़क की धूल कम करने के लिए पानी के स्प्रिंकलर और टैंकर लगाना शामिल था। इन पाबंदियों के हटने के बाद भी, हवा की क्वालिटी में कोई सुधार नहीं हुआ, जिससे हेल्थ एक्सपर्ट्स और नागरिकों में चिंता बढ़ गई। एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि ग्रैप उपायों को असरदार तरीके से लागू किए बिना प्रदूषण को कंट्रोल करना मुश्किल होगा। लोगों से बाहर कम निकलने, मास्क इस्तेमाल करने और बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा पर खास ध्यान देने की अपील की गई है। शुक्रवार सुबह की स्थिति शुक्रवार सुबह भी दिल्ली के अधिकतर इलाकों में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर था। रोहिणी, चांदनी चौक और वजीरपुर सबसे ज्यादा प्रदूषित इलाकों में से रहे। रोहिणी में एक्यूआई 527 दर्ज किया गया, जबकि चांदनी चौक 500 और वजीरपुर 489 तक पहुंच गया था। आया नगर, जहांगीरपुरी, नोएडा सेक्टर 116, आईजीआई एयरपोर्ट, अलीपुर, डीटीयू और इंदिरापुरम भी सबसे प्रदूषित इलाकों में शामिल रहे।

बिहार शादी में गया पूरा परिवार, चोरों ने घर का मेन गेट काटकर 10 लाख लूटे

बाहरी दिल्ली। चोरों ने रोहिणी सेक्टर 17 के बी-2 पॉकेट में एक घर में घुसकर करीब ड्ड10 लाख के हीरे, सोने और चांदी के गहने चुरा लिए। आरोपियों ने गुरुवार सुबह-सुबह वारदात को अंजाम दिया और अपने ससुराल वाले घर से भाग गए। घटना के समय कोई मौजूद नहीं था। पूरा परिवार बिहार के छपरा में एक शादी में शामिल होने गया था। सुबह एक पड़ोसी ने मेन गेट टूटा देखा और परिवार को फोन पर बताया। मौके पर पहुंची पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है। वे घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज का इस्तेमाल करके उनका पता लगा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि वे जल्द ही उन्हें पकड़ लेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंकज कुमार मिश्रा अपने परिवार के साथ रोहिणी सेक्टर 17 के बी-2 ब्लॉक में किराए के फ्लैट में रहते हैं। पंकज ने बताया कि वह 16 नवंबर को अपने छोटे भाई मनीष की शादी में बिहार के छपरा जिले के नया बांस गांव गए थे। शादी 26 नवंबर को होनी थी। 27 नवंबर की सुबह, एक पड़ोसी ने अपार्टमेंट में चोरी की खबर दी। पड़ोसी ने बताया कि चोर ने मेन दरवाजे से पहले एक दरवाजे का लॉक तोड़ा। मेन दरवाजे पर सेंट्रल लॉक लगा था। जब लॉक नहीं टूटा, तो आरोपियों ने कटर से दरवाजा काट दिया। फिर, उन्होंने कमरे के दरवाजे का लॉक तोड़ा। अंदर, उन्होंने दो हीरे की अंगूठियां, चार सोने की बालियां, एक लॉकेट, एक नथ, एक नेकलेस सेट, तीन नथ, एक चांदी का कटोरा, पांच पान के पत्ते, एक मछली, छह कंगन, एक प्लेट, एक गिलास, एक ट्रे, एक सिक्का, छह जोड़ी पायल, छह जोड़ी बिछिया, और लगभग चार हजार रुपये कैश चुरा लिए। पीड़ित ने बताया कि इन गहनों की कीमत लगभग 10 लाख रुपये थी। पुलिस मौके पर पहुंची, क्राइम सीन का मुआयना किया, और आगे की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली में 'मैजिक बस' की जादूगरी... गरीबी ने पढ़ाई छुड़वाई, स्किल्स ने नौकरी दिलाई

साउथ दिल्ली। परिवार की आर्थिक हालत की वजह से अपनी पढ़ाई जारी रखना मुमकिन नहीं था। सेंटर में मिले स्किल्स, पढ़ाई और गाइडेंस से उन्हें न सिर्फ नौकरी ढूंढने में मदद मिली, बल्कि अपनी पहचान बनाने में भी मदद मिली। गुरुवार को जैतपुर में मैजिक बस और किंग्स ट्रस्ट इंटरनेशनल (केटीआई) के एक इवेंट में पिछड़े समुदायों के युवाओं ने ऐसी ही सफलता की कहानियां शेयर कीं। युवाओं ने मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के "गेट इनटू" प्रोग्राम के तहत ट्रेनिंग ली और नौकरी पाई। जो लोग कभी अपने परिवार की आर्थिक तंगी महसूस करते थे, वे अब मदद कर रहे हैं। ये छोटी सफलता की कहानियां दिखाती हैं कि टैलेंट और स्किल्स सामाजिक या आर्थिक रुकावटों को पार कर जाते हैं। युवाओं की बात... स्नेहाः मैं अभी ग्रेजुएशन कर रही हूं। मेरी

मां और दो छोटे भाई हैं। मेरे पिता नहीं रहे, और मेरी मां किराने की दुकान चलाती हैं। मैं हमेशा अपनी मां की मदद करना और अपने भाइयों को अच्छी शिक्षा देना चाहती थी। यहां ट्रेनिंग के बाद, मुझे इंश्योरेंस एडवाइजर की नौकरी मिल गई। प्रमोशन के बाद, मैं असिस्टेंट टीम लीडर के तौर पर काम कर रही हूं। मैं काबिल हूँ और अपना घर भी चला रही हूँ। मनीषा नेगीः 12वें के बाद, मैं अपने परिवार को सपोर्ट करने के लिए नौकरी करना चाहती थी, लेकिन मेरे पास न तो डिग्री थी और न ही स्किल्स। मैंने यहाँ ट्रेनिंग ली और बहुत कुछ सीखा और फरीदाबाद के एक रेस्टोरेंट में नौकरी मिल गई। अब, मैं वहाँ एक ट्रेनिंग चैंप के तौर पर काम करती हूँ, पाँच लोगों को ट्रेनिंग देती हूँ। मैं अपने परिवार को सपोर्ट करती हूँ और अपनी पढ़ाई का खर्च उठाती हूँ। आदित्य तिवारीः मैं इ.रू. के पहले साल में हूँ और नोएडा में कस्टमर सेल्स एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करती हूँ। मुझे पैसे की दिक्कतें थीं, लेकिन बिना डिग्री के, मुझे नौकरी भी नहीं मिली। मैं बोल भी नहीं पाती थी। यहाँ ट्रेनिंग के दौरान, हमें न सिर्फ. सिखाया जाता है बल्कि हमारा सेल्फ-कॉन्फिडेंस भी बढ़ाया जाता है। ट्रेनिंग के बाद, मुझे यहाँ नौकरी मिल गई। शाह आलमः मैं पहले सेल्स में थी और मुझे कम पैसे मिलते थे। मेरे पिता एक टेलर हैं, और मैंने उन्हें दिन-रात काम करते देखा है। मैं सेंटर आई और प्रोफेशनली ट्रेनिंग ली और अपनी स्किल्स को बेहतर बनाया। उसके बाद, मुझे नोएडा में अकाउंटिंग सपोर्ट एग्जीक्यूटिव के तौर पर अच्छी सैलरी वाली नौकरी मिल गई। अब, मैं अपनी बहन की ग्रैंड शादी करने का अपना सपना पूरा कर सकता हूँ।

दिल्ली की जहरीली हवा का दुश्मन बनी धूल, 6 मंजिला इमारतों में अब एंटी-स्मॉग गन अनिवार्य

नई दिल्ली। सड़कों और कंस्ट्रक्शन साइट्स से उड़ने वाली धूल दिल्ली की हवा को खराब कर रही है। हवा के प्रदूषण को कम करने के लिए धूल की समस्या को हल करना होगा। इसके लिए छह मंज़िला और उससे ऊपर की कमर्शियल बिल्डिंग्स के लिए एंटी-स्मॉग गन लगाना जरूरी कर दिया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) का दावा है कि उसने अपनी कंस्ट्रक्शन साइट्स पर कुल 82 एंटी-स्मॉग गन लगाई हैं। गुरुवार को, डीएमआरसी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में दावा किया कि मेट्रो कंस्ट्रक्शन साइट्स पर धूल को कंट्रोल करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उसने एंटी-स्मॉग गन का इस्तेमाल जरूरी किए जाने से बहुत पहले ही अपनी सभी कंस्ट्रक्शन साइट्स पर एंटी-स्मॉग गन लगा दी थीं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले, दिल्ली नगर निगम ने महरौली-बदरपुर रोड पर मेट्रो कंस्ट्रक्शन साइट पर एंटी-पल्यूशन उपायों को लागू न करने पर डीएमआरसी के खिलाफ ड्ड3.8 लाख का चालान जारी किया था। कॉर्पोरेशन ने कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की गाइडलाइंस और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का ठीक से पालन नहीं किया जा रहा था। साइट पर धूल कंट्रोल ठीक से न होना, कंस्ट्रक्शन मटीरियल का खुला स्टोरेज, गलत बैरिकेडिंग और खराब हाउसकीपिंग जैसी कमियों का ज़िक्र किया गया। हालांकि, डीएमआरसी ने इन आरोपों से इनकार किया। उसने कहा कि जिस साइट पर एंटी-पॉल्यूशन उपाय लागू न करने के लिए चालान काटा गया था

दिल्ली सरकार ने फिल्म '120 बहादुर' की टैक्स-फ्री, सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- बहादुर सैनिकों के सम्मान में फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने फिल्म अभिनेता फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर को टैक्स फ्री कर दिया है। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि बहादुर सैनिकों के सम्मान में यह फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी की महान बहादुरी पर आधारित वार फिल्म '120 बहादुर' को दिल्ली में टैक्स-फ्री घोषित कर दिया गया है। एक एक्स एक पोस्ट में सीएम ने कहा कि यह फिल्म

चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 सैनिकों के 'असाधारण साहस, नेतृत्व और बलिदान' को श्रद्धांजलि देती है। जिन्होंने 1962 के चीन-भारत युद्ध के दौरान रेजांग ला की लड़ाई में बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी। गुप्ता ने कहा कि बहादुर सैनिकों के सम्मान में, दिल्ली सरकार ने 28 नवंबर से दिल्ली में फिल्म को टैक्स-फ्री स्टेटस देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म मेजर शैतान सिंह भाटी के प्रेरणा देने वाले नेतृत्व को दिखाती है, जिनके काम और बलिदान भारत के सैन्य इतिहास में साहस की एक पहचान बने हुए हैं।

जाम और तंग गलियों की मजबूरी... दिल्ली सरकार खरीदेगी 12 मीटर की जगह 9 मीटर की इलेक्ट्रिक बसें

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक बसों के लिए खरीद की स्ट्रैटेजी, भीड़भाड़ वाली सड़कों को देखते हुए 12-मीटर बसों से नौ-मीटर बसों की ओर शिफ्ट हो रही है। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, रेखा गुप्ता सरकार के दौरान दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरकनेक्टर (डीईवीआई) स्कीम के तहत शुरू की गई नौ-मीटर बसें, पतली सड़कों, तीखे मोड़ों और घनी आबादी वाले इलाकों के लिए बेहतर हैं। आउटर रिंग रोड को छोड़कर, 12-मीटर बसों को अक्सर दूसरे इलाकों में आसानी से चलने में दिक्कत होती है। अधिकारी ने कहा कि पूरे शहर में, खासकर पुराने इलाकों में ट्रैफिक जाम एक लगातार चुनौती है। इसके बावजूद, छोटी बसों को बेहतर माना जाता है। इलेक्ट्रिक बसें कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) के जरिए खरीदी जाती हैं, जो भारत सरकार की एक एजेंसी है जो टेंडर जारी करती है। दिल्ली सरकार ने सीईएसएल को 2,800 बसों के लिए रिक्वेस्ट भेजी है। इनमें से 1,400 बसें नौ-मीटर की और इतनी ही 12-मीटर की होंगी। 1,200 बसों की खरीद के

लिए अगली रिक्वेस्ट के लिए, सरकार 800 नौ-मीटर बसों की रिक्वेस्ट करने की योजना बना रही है, जिसमें 400 12-मीटर बसें शामिल हैं। एक 12-मीटर बस की कीमत ड्ड1.5 करोड़ है, जबकि एक छोटी बस की कीमत लगभग ड्ड1 करोड़ है। अधिकारी ने कहा कि ऐसे समय में जब सरकार फ्लीट मॉडर्नाइजेशन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव पर ध्यान दे रही है, छोटी बसें खरीदने का कदम टिकाऊ है। पैसेंजर लोड पैटर्न भी इस बदलाव का एक कारण है। अधिकारी के अनुसार, बसें केवल सुबह और शाम के पीक आवर्स में ही पूरी तरह भरी होती हैं। नॉन-पीक आवर्स के दौरान, बड़ी बसें अक्सर खाली सीटों के साथ चलती हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय में, इस कदम से पैसेंजर के इंतजार का समय कम होगा और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी में सुधार होगा। अधिकारी ने जोर देकर कहा कि 12-मीटर बसें हाई-डिमांड कॉरिडोर और हाल ही में शुरू किए गए इंटरस्टेट बस रूट पर चलती रहेंगी। सरकार 5,780 इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने की योजना पर काम कर रही है, जिसमें 2,840 डीटीसी बसें और 2,940 बसें क्लस्टर सर्विस के तहत शामिल हैं।

इसके अलावा, 2,442 सीएनजी बसें चल रही हैं, जिनमें 692 डीटीसी बसें शामिल हैं। इस साल दिसंबर तक इन्हें धीरे-धीरे बंद कर दिया जाएगा। वहीं, 2030-31 तक 1,750 सीएनजी क्लस्टर बसें बंद कर दी जाएंगी। समाप्त - वीके शुक्ला, 28 नवंबर, 2025

संक्षिप्त समाचार

पेरू के पूर्व राष्ट्रपति विजकार्रा को 14 साल की जेल

लीमा, एजेंसी। पेरू की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति मार्टिन विजकार्रा को एक दक्षिणी राज्य के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार योजना में उनकी भूमिका के लिए 14 साल जेल की सजा सुनाई है। विजकार्रा को तत्काल कारावास की सजा सुनाई गई और सार्वजनिक पद से नौ वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया गया। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि विजकार्रा ने मोकेगुआ के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान दो प्रमुख परियोजनाओं – एक सिंचाई प्रणाली और एक अस्पताल के निर्माण – के लिए ठेके देने के बदले में कंपनियों से अवैध भुगतान प्राप्त किया था। अधिकारियों ने विजकार्रा पर निर्माण कंपनियों से लगभग 611,000 डॉलर की रिश्वत लेने का आरोप लगाया। अभियोजकों ने 15 वर्ष की जेल की सजा का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा में चेक पोस्ट पर आतंकवादी हमले में 3 पुलिसकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को एक जांच चौकी पर आतंकवादियों के हमले में तीन पुलिस कर्मियों की मौत हो गई। जिला पुलिस अधिकारी खान जैब ने बताया कि यह हमला हांगू जिले के काजी तालाब पुलिस चेकपोस्ट पर हुआ, जब आतंकवादियों ने पास के पहाड़ से सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की। पुलिस ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। हालांकि, गोलीबारी में तीन पुलिसकर्मी मारे गए। जैब ने बताया कि हमलावरों की तलाश के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने हमले की कड़ी निंदा की और बिना किसी देरी के अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर भेजने का आदेश दिया।

नेपाल : जेन-जी और यूएमएल कैडरों में झड़प, एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार हिंसा

धनगढ़ी, एजेंसी। नेपाल के धनगढ़ी शहर में बुधवार को जेन-जी समूह और केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव हो गया। एक सप्ताह के भीतर हिंसा की यह दूसरी घटना है। इस झड़प में प्रदर्शनकारी एक जेन-जी को हल्की चोट आई है। यूएमएल नेता महेश बसनेत के शहर में आने से पहले जेन-जी शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि तनाव तब बढ़ा, जब बाइक पर आए यूएमएल कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शनकारियों पर हमला कर दिया। बसनेत नेशनल यूथ एसोसिएशन नेपाल के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धनगढ़ी जा रहे थे। कैलाली जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, पिछले सप्ताह बारा जिले में हुई हिंसा को देखते हुए पुलिस ने पहले ही सुरक्षा कड़ी कर दी थी। रविवार को कुछ जेन-जी ने बिराटनगर हवाई अड्डे के पास महेश बसनेत की गाड़ी पर स्याही फेंक दी थी। इससे कुछ ही दिन पहले सिमरा चौक पर यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल और बसनेत को रोकने की कोशिश कर रहे जेन-जी कार्यकर्ताओं और यूएमएल कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें छह युवा घायल हो गए थे। इस दौरान पथराव हुआ था। हवाई अड्डे पर तोड़फोड़ के कारण उड़ानों को कई घंटों के लिए रोकना पड़ा था।

इस्राइल ने लौटाए 15 और फलस्तीनियों के शव, सीजफायर के दूसरे चरण पर चर्चा के लिए मिले तीन देशों के अधिकारी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने पंद्रह और फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। संघर्षविराम समझौते का पहला चरण खत्म होने के करीब है और अधिकारी दूसरे चरण पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम उस समय हुआ है, जब फलस्तीनी लड़ाकों ने इस्राइली बंधक ड्रोर ओर के अवशेष लौटाए हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि हमास के सात अक्तूबर 2023 के हमले में उनकी मौत हो गई थी। समझौते के तहत इस्राइल हर एक बंधक के बदले 15 फलस्तीनी शव लौटाने के लिए तैयार हुआ है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ताजा आदान-प्रदान के बाद इस्राइल अब तक कुल 345 फलस्तीनी शव गाजा वापस भेज चुका है। ये आदान-प्रदान पिछले महीने शुरू हुए थे। गाजा में अभी भी दो लोग हमास की कैद में हैं। इनमें एक इस्राइली और एक थाई नागरिक है। तुर्किये, कतर और मिस्र के अधिकारियों ने बुधवार को काहिरा में मुलाकात की, ताकि संघर्षविराम के दूसरे चरण पर बात की जा सके। दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद यह संघर्षविराम अब तक बना हुआ है। समझौते के अगले चरणों में एक अंतरराष्ट्रीय बल को तैनात करना और गाजा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक ढांचा बनाना शामिल है, जो पुनर्निर्माण कार्य की निगरानी भी करेगा। सशस्त्र अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल का काम सुरक्षा बनाए रखना और हमास का निरस्त्रीकरण सुनिश्चित करना होगा। यह इस्राइल की मुख्य मांग है।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग, 2 नेशनल गार्ड्स गंभीर घायल

अफगानिस्तानी हमलावर गिरफ्तार, ट्रम्प ने यहां के शरणार्थियों के आने पर रोक लगाई

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में बुधवार शाम व्हाइट हाउस से दो ब्लॉक दूर हुई फायरिंग में नेशनल गार्ड्स के दो मेंबर्स गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई अधिकारियों के मुताबिक, हमले में शामिल संदिग्ध की पहचान रहमानुल्लाह लाकनवाल के तौर पर हुई है। वो अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका आया था। उसने 2024 में शरणार्थी के दर्जे के लिए अप्लाई किया था और उसे इसी साल मंजूरी मिली थी। हमला फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास हुआ, जहां लाकनवाल कुछ समय तक इंतजार करता रहा और फिर अचानक 2:15 बजे के आसपास उसने गोलीबारी शुरू कर दी। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, उसने पहले एक महिला गार्ड को सीने में गोली मारी और फिर सिर में। इसके बाद उसने दूसरे गार्ड पर फायर किया। उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने दौड़कर हमलावर को काबू कर लिया। गिरफ्तार होने से पहले लाकनवाल को चार गोलियां लगीं और उसे लगभग बिना कपड़ों के एम्बुलेंस में ले जाया गया।

ट्रम्प बोले- यह मानवता के खिलाफ अपराध है : अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट इस मामले को आतंकवादी हमले के तौर पर जांच रहा है। हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने पेंटागन को निर्देश दिया कि वॉशिंगटन डीसी में सुरक्षा बढ़ाने के लिए 500 एक्स्ट्रा नेशनल गार्ड्स भेजे जाएं। ट्रम्प ने कहा कि आरोपी इसकी भारी कीमत चुकाएगा। एपी की खबर के मुताबिक एक अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि एक गार्ड को सिर में गोली लगी है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने संदिग्ध को जानवर कहा है। उन्होंने कहा कि वो इसकी बहुत भारी कीमत चुकाएगा।

ट्रम्प ने ट्रुथ पर लिखा- हमारी महान नेशनल गार्ड और सुरक्षा बलों पर गर्व है। मैं और मेरी पूरी टीम उनके साथ है। यह पूरे राष्ट्र के खिलाफ अपराध है। यह मानवता के खिलाफ अपराध है।

अभी तक आरोपी का मकसद साफ नहीं : रिपोर्ट के मुताबिक, लाकनवाल ऑपरेशन एलाइज वेलकम प्रोग्राम के तहत अमेरिका में आया था। उसे वॉशिंगटन के बेलिंगहैम बसाया गया था। पुलिस का कहना है कि लखनवाल ने अकेले ही यह हमला किया और अब तक इसका मकसद साफ नहीं है। एनबीसी और वॉशिंगटन पोस्ट का कहना है कि स्नक्क्ब्रु इस मामले को आतंकी हमले के रूप में जांच कर रही है। ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर की आलोचना करते हुए दावा किया कि संदिग्ध को बाइडेन प्रशासन के समय अमेरिका लाया गया था।

क्या था मकसद : राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास के सामने हुई इस गोलीबारी को लेकर डीसी के मेयर म्यूरिल बाउजर ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी ने यह टार्गेटेड अटैक किया था। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक आरोपी वहां ऐसे ही टहलते हुए आकर एक मोड़ पर रुका और उसने हैंडगन निकालर फायरिंग करनी शुरू कर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फायरिंग का शिकार दोनों नेशनल गार्ड्स सदस्यों के सिर में गोली लगी है, जिससे उनकी हालत गंभीर है। इस गोलीबारी के बाद आसपास मौजूद अन्य सदस्यों ने तुरंत ही वहां आकर हालात को काबू में किया। एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच जारी है। उसका क्या मकसद था इसके बारे में फिलहाल जांच के बाद ही पता चलेगा।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों संग किया काम : एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले की जानकारी रखने वाले दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि रहमानुल्लाह पिछले काफी समय से वाशिंगटन में ही रह रहा है, लेकिन अभी उसकी और जानकारी निकाली जा रही है। एनबीसी ने रहमानुल्लाह के एक करीबी रिश्तेदार के हवाले से बताया कि रहमानुल्लाह और उसकी पत्नी के कुल पांच लड़के हैं। 2021 में अमेरिका आने से पहले वह अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के साथ काम करता था। लकनवाल ने 10 साल तक अफगान सेना में काम किया। उस दौरान वह कंधार के एक अड्डे पर तैनात रहा।

एक और अफ्रीकी देश में तख्तापलट, सेना ने कब्जाया राष्ट्रपति भवन

बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ में सैन्य तख्तापलट हो गया है। सैनिकों ने राष्ट्रीय टीवी पर आकर बताया कि उन्होंने सत्ता पर कब्जा कर लिया है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी थी। गिनी बिसाऊ में सैन्य तख्तापलट ऐसे समय हुआ है, जब तीन दिन पहले ही वहां आम चुनाव हुए। गिनी बिसाऊ के राष्ट्रपति ने भी फ्रांसीसी मीडिया से बताया कि उन्हें पद से हटा दिया गया है और गिरफ्तार कर लिया गया है।

सेना ने राष्ट्रीय टीवी पर जारी किया बयान : गिनी बिसाऊ की सेना के प्रवक्ता डिनीस एन चामा ने एक बयान जारी कर बताया कि 'सैन्य कमांड ने राष्ट्रपति को पद से हटा दिया है। नए आदेश तक सभी लोकतांत्रिक संस्थान भी बर्खास्त रहेंगे।' सेना के प्रवक्ता ने बताया कि देश को अस्थिर करने की साजिश रची जा रही थी और चुनाव में भी धांधली की गई थी। उन्होंने कहा कि कुछ राष्ट्रीय नेता, ड्रग माफिया और कुछ विदेशी नागरिकों के साथ मिलकर साजिश रच रहे थे। हालांकि सैन्य प्रवक्ता ने ज्यादा जानकारी नहीं दी। सेना द्वारा गिनी बिसाऊ के सभी बॉर्डर सील कर दिए गए हैं और मीडिया संस्थानों की गतिविधियों को भी सीमित कर दिया गया है।

गिनी बिसाऊ में तख्तापलट का लंबा इतिहास : पश्चिमी अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ में इससे पहले भी चार बार तख्तापलट हो चुका है और कई बार तख्तापलट की

कोशिश हो चुकी है। बीते महीने भी तख्तापलट की कोशिश की गई थी। गिनी बिसाऊ ड्रग तस्करी का भी गढ़ बनकर उभरा है और यहां से बड़े पैमाने पर दक्षिण अमेरिकी और यूरोपीय देशों में ड्रग तस्करी की जाती है। गिनी बिसाऊ में रविवार को हुए चुनाव का अभी तक नतीजा जारी नहीं हुआ है, लेकिन राष्ट्रपति उमारो सिसोको एंबोलो और विपक्षी नेता फर्नांडो डियास डा कोस्टा दोनों ने ही जीत का दावा किया है।

कैसे हुआ तख्तापलट : बुधवार दोपहर में राष्ट्रपति भवन के पास गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं। मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति भवन जाने वाली सभी सड़कों को ब्लॉक कर दिया गया था और जगह-जगह हथियारबंद सेना के जवान तैनात थे। राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद सेना के जवानों ने राष्ट्रपति भवन पर हमला किया और इस दौरान सेना के जवानों और राष्ट्रपति भवन के गार्ड्स के बीच गोलीबारी हुई। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य निर्वाचन अधिकारियों को गिरफ्तार कर चुनाव आयोग के कार्यालय को सील कर दिया गया है। पश्चिम अफ्रीकी देशों में साल 2020 से कई तख्तापलट हो चुके हैं।

बांग्लादेश में झुग्गी-बस्ती में लगी आग से जलीं 1500 से ज्यादा झोपड़ियां, हजारों लोग बेघर हुए

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित भीड़भाड़ वाले कोरेल झुग्गी-बस्ती में लगी भीषण आग ने करीब 1,500 झोपड़ियों को जला दिया या नुकसान पहुंचाया। इसके चलते यहां रहने वाले हजारों लोग बेघर हो गए। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों के मुताबिक, आग मंगलवार शाम को लगी और लगभग 16 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार को बुझाई जा सकी। अग्निशमन सेवा के ड्यूटी अधिकारी राशिद बिन खालिद ने बताया कि आग को पूरी तरह नियंत्रित करने में काफी समय लग गया। दमकल सेवा के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि करीब 1,500 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुईं, जिससे बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कोरेल स्लम में करीब 60,000 परिवार रहते हैं, जिनमें से कई जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होकर आए शरणार्थी हैं। 160 एकड़ (65 हेक्टेयर) में फैला यह बस्ती ढाका के पॉश गुलशन और बनानी क्षेत्रों के बीच स्थित है और इसके चारों ओर ऊंची-ऊंची इमारतें हैं।

बताया जाता है कि आग लगने के बाद बस्ती में भारी धुआं फैल गया और निवासी रातभर अपनी झोपड़ियों को आग की लपटों में घिरते देखते रहे। बुधवार को लोग मलबे से अपनी बची-कुची चीजें निकालने की कोशिश करते दिखे। दमकलकर्मियों ने बताया कि बेहद संकरी गलियां होने के कारण मौके तक पहुंचना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा।

ढाका, जिसकी आबादी 2024 तक लगभग 1.02 करोड़ है, में सैकड़ों झुग्गी बस्तियां हैं, जहां ग्रामीण क्षेत्रों से गरीबी और शोषण के कारण लोग आकर बसते हैं। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाएं भी लोगों को शहर की इन बस्तियों में रहने को मजबूर करती हैं, जहां वे रिक्शा चलाने, घरेलू कामकाज और सफाई कार्य जैसे दिहाड़ी कार्यों से गुजारा करते हैं।

जर्मनी बोला- रूस जंग खत्म करने को तैयार नहीं

देश का रक्षा बजट बढ़ाने का ऐलान ; 2029 तक नाटो पर हमला कर सकते हैं पुतिन

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी ने रूस पर आरोप लगाया है कि वह यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए किसी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं दिख रहा है। बुधवार को जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने संसद में कहा कि रूस ने यूक्रेन के लिए तैयार की गई नई शांति योजना पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बयानों में शांति की कोई इच्छा नहीं दिखती। बोरिस ने कहा, पुतिन की प्रतिक्रिया से साफ है कि वह किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहते। बोरिस ने बताया कि इसी वजह से जर्मनी अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करेगा। साथ ही यूक्रेन को सैन्य मदद भी बढ़ाएगा।

2029 तक नाटो पर हमला कर सकता है रूस : जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडफुल ने मंगलवार चेतावनी दी है कि रूस अगले चार साल में किसी ह्व्ज्ञह्र देश पर हमला कर सकता है। उन्होंने यह बात बर्लिन फॉरेन पॉलिसी फोरम में कही। वेडफुल ने बताया कि जर्मन खुफिया एजेंसियों के मुताबिक रूस 2029 तक नाटो के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा है। उनका कहना है कि रूस की महत्वाकांक्षा सिर्फ यूक्रेन तक सीमित नहीं है। उसने पिछले कुछ सालों में अपनी सैन्य ताकत और हथियार उत्पादन काफी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपनी अर्थव्यवस्था और समाज को काफी हद तक युद्ध के हिसाब से ढाल दिया है। साथ ही, रूस जरूरत से ज्यादा सैनिकों की भर्ती कर रहा है। लगभग हर महीने एक नई डिविजन तैयार की जा रही है।

नाटो चीफ बोले- रूस शांति समझौते के बाद भी खतरा : नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध में अगर शांति समझौता भी हो जाए, तब भी रूस यूरोप के लिए लंबे समय तक खतरा बना रहेगा। उन्होंने यह बयान ब्रसेल्स में स्पेनिश अखबार एल पाइस को दिए इंटरव्यू में दिया।

रुटे ने यह भी कहा कि यूरोप का कोई भी देश यह न सोचे कि वह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि रूसी मिसाइलें कुछ ही मिनटों में किसी भी यूरोपीय शहर तक पहुंच सकती हैं। रुटे ने यूक्रेन मुद्दे पर ट्रम्प की कूटनीतिक कोशिशों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नया शांति प्रस्ताव आगे बातचीत की अच्छी शुरुआत है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए जो दबाव बनाया, वह बिल्कुल जरूरी था। उन्होंने नाटो के सदस्य देश स्पेन को आने वाले समय में अपना रक्षा बजट को बढ़ाने की भी सलाह दी।

दक्षिण कोरिया ने नूरी रॉकेट से सबसे बड़ा सैटेलाइट किया लॉन्च, स्पेस मिशन में मिली बड़ी कामयाबी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने अपने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत गुरुवार तड़के अपना अब तक का सबसे बड़ा सैटेलाइट नूरी रॉकेट से लॉन्च किया। यह प्रक्षेपण देश के लिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि 2027 तक छह मिशन पूरे करने की राष्ट्रीय योजना में यह चौथा लॉन्च है। इस मिशन ने दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष तकनीक में बढ़ती क्षमता को एक बार फिर उजागर किया है। तीन चरणों वाला नूरी रॉकेट दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित गोहुड के अंतरिक्ष केंद्र से सुबह उड़ान भरा। एयरोस्पेस अधिकारियों के अनुसार, रॉकेट का उद्देश्य 516 किलोग्राम वजनी विज्ञान सैटेलाइट समेत 12 माइक्रो-सैटेलाइट्स को कक्षा में स्थापित करना है। लॉन्च के बाद अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं कि सभी सैटेलाइट्स सही ऊंचाई पर पहुंचते हैं या नहीं।

मुख्य सैटेलाइट की विशेषताएं : इस मिशन में भेजा गया मुख्य सैटेलाइट पृथ्वी से 600 किलोमीटर ऊपर की कक्षा में घूमने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें एक वाइड-रेंज एयरग्लो कैमरा लगाया गया है, जो ऑरोरा जैसी गतिविधियों का अध्ययन करेगा। इसके अलावा इसमें प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्रों की जांच करने वाली अलग-अलग प्रणालियां भी शामिल हैं। सैटेलाइट पर जीवन-विज्ञान से जुड़े प्रयोगों को अंतरिक्ष में परखने का एक विशेष सिस्टम भी लगाया गया है।

12 छोटे 'क्यूब' सैटेलाइट्स भी भेजे गए : इस मिशन की एक और खास बात यह रही कि विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों द्वारा तैयार 12 छोटे क्यूब सैटेलाइट्स भी रॉकेट में शामिल थे। इनमें लगाई गई तकनीकों में जीपीएस आधारित पृथ्वी के वायुमंडल का अध्ययन, समुद्री प्लास्टिक पर नजर रखने के लिए इन्फ्रारेड कैमरे, सौर सेल परीक्षण सिस्टम और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट की परख करने वाली इकाइयां शामिल हैं।

पिछले लॉन्च की तुलना में बड़ा कदम : यह प्रक्षेपण नूरी रॉकेट का मई 2023 के बाद पहला लॉन्च है। इससे पहले 2023 में नूरी रॉकेट ने 180 किलोग्राम वजनी अवलोकन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचाया था। नूरी का पहला लॉन्च अक्टूबर 2021 में किया गया था, जो डमी सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित करने में असफल रहा था। इसलिए इस चौथे प्रयास को दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष तकनीक में स्थिरता और सुधार का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। इस मिशन की सफलता से दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा को नई ऊर्जा मिली है। नूरी कार्यक्रम के तहत किए जाने वाले अगले दो मिशन 2027 तक पूरे किए जाएंगे, जिनमें और उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।

ट्रंप ने वार्षिक थैंक्सगिविंग में टर्की पक्षी को माफ किया, डेमोक्रेट नेताओं पर किए कटाक्ष

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में थैंक्सगिविंग समारोह में टर्की पक्षी को औपचारिक माफी देकर व्हाइट हाउस की पारंपरिक रस्म में सद्भावना के बजाय डेमोक्रेट्स का अपमान किया। उन्होंने टर्की को अल साल्वाडोर की एक बदनाम जेल में भेजने का मजाक उड़ाया, जिसका इस्तेमाल अमेरिका से निकाले गए शरणार्थियों को रखने के लिए किया जाता है। वह बोले, पक्षियों का नाम डेमोक्रेटिक दिग्गज चक शूमर और नैंसी पेलोसी के नाम पर चक और नैंसी होना चाहिए। ट्रंप ने कहा, मैं उन्हें (डेमोक्रेट्स को) माफ नहीं करूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि गत वर्ष राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से टर्की को दी गई माफी अमान्य थी क्योंकि उन्होंने ऑटोपेन का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा, हंटर (बाइडन) कहां है? इसके साथ ही उन्होंने इशारा दिया कि पूर्व राष्ट्रपति के बेटे को एक बार फिर कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। बाइडन ने अपने कार्यकाल के अंत में हंटर बाइडन को माफी देने के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। ट्रंप ने यह सब मजाक तब शुरू किया जब उन्होंने इलिनोइस के गवर्नर और डेमोक्रेट नेता जेबी प्रिट्जकर पर अपना ध्यान केंद्रित किया। वह शिकागो में नेशनल गार्ड तैनाती संबंधी व्हाइट हाउस की योजनाओं का विरोध कर रहे हैं।

मजाक: गोबल, तुम्हें बिना शर्त माफ किया जाता है : रोज गार्डन में बैठे श्रोता हंसी-ठिठोली भी करते देखे गए। आखिरकार ट्रंप ने टर्की गोबल और वैडल को माफ किया। ट्रंप ने कहा- गोबल, मैं तुम्हें बस यह बताना चाहता हूं कि तुम्हें बिना शर्त के माफ किया जाता है। उन्होंने पंखों पर हाथ फेरते हुए कहा, इस खूबसूरत पक्षी को कौन नुकसान पहुंचाना चाहेगा? वैडल को पहले व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम में देखा गया था। अमेरिका में हर थैंक्सगिविंग डे पर लोग करीब 4.6 करोड़ टर्की पक्षियों को अपना भोजन बना लेते हैं। यह पक्षी अमेरिकी जनता का नियमित भोजन है। हालांकि परंपरा के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति थैंक्सगिविंग डे पर हर साल दो टर्की को क्षमादान देते हैं। ट्रंप ने भी इसी परंपरा का पालन किया। ट्रंप ने कहा कि उनके नेतृत्व में थैंक्सगिविंग खाने की कीमतें कम हो रही हैं। बता दें, वाशिंगटन में, ट्रंप को अगले साल होने वाले मध्यावधि चुनावों से पूर्व रिपब्लिकन गठबंधन के टूटने की आशंका का सामना करना पड़ रहा है।

व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी की रिश्तेदार हिरासत में, ब्राजील डिपोर्ट किया जा सकता है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की इमिग्रेशन एजेंसी आईसीई ने व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट के भतीजे की मां, ब्रूना कैरोलाइन फेरेरा को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें जल्द ही ब्राजील वापस भेजा जा सकता है।

यह मामला तब सामने आया जब आईसीई अधिकारियों ने उन्हें मैसाचुसेट्स से पकड़कर लुइसियाना की एक डिटेंशन सेंटर में भेज दिया। अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी का कहना है कि ब्रूना एक टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका आई थीं, लेकिन उनका वीजा 1999 में खत्म हो गया था। उनका आरोप है कि ब्रूना ने वीजा की टाइम लिमिट पार कर दी और उन पर हमले के शक में कार्रवाई की गई है।

ब्रूना के वकील टॉड पोमरलीउ इन बातों से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि ब्रूना पर कोई आपराधिक मामला नहीं है। वे डीएसीए नाम के उस सरकारी प्रोग्राम के तहत कानूनी तौर पर अमेरिका में रह रही थीं, जो बच्चों के तौर पर आए लोगों को सुरक्षा देता है। वकील का यह भी कहना है कि ब्रूना ग्रीन कार्ड लेने की प्रोसेस में थीं और उन्हें अचानक गिरफ्तार कर लेने से उनका छोटा बच्चा भी उनसे अलग हो गया। ब्रूना के 11 साल के बेटे की परवरिश उसके पिता माइकल लेविट कर रहे हैं, जो कैरोलीन लेविट के भाई हैं। माइकल ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी चिंता उनके बेटे की सुरक्षा और उसकी प्राइवेसी है। ट्रम्प प्रशासन ने इस साल से इमिग्रेशन कानूनों को बेहद सख्ती से लागू करना शुरू किया है। सरकार का कहना है कि जो भी लोग अमेरिका में बिना इजाजत के रह रहे हैं, उन्हें देश से निकाला जा सकता है।

1998 में आई थीं अमेरिका, अब हटाए जाने की कार्यवाही जारी : ब्रूना फरेइरा को 1998 में बचपन में ही अमेरिका लाया गया था। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के प्रवक्ता के मुताबिक, उन्होंने

1999 में अपने टूरिस्ट वीजा अवधि से ज्यादा ठहराव किया था और उन पर हमला करने का भी एक मामला दर्ज हुआ था। ष्ठ॥स् का कहना है कि इन्हीं आधारों पर वर्तमान में उन्हें निष्कासन की प्रक्रिया में रखा गया है।

बता दें कि डीएसीए यानी 'बचपन में आगमन के लिए विलंबित कार्रवाई' एक अमेरिकी आव्रजन नीति है जो 15 जून, 2012 तक कम से कम पांच साल के लिए बचपन में अमेरिका लाए गए कुछ अपात्र अप्रवासियों को निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा और काम करने की अनुमति देती है। यह कार्यक्रम दो साल के लिए वैध होता है और इसे रिन्यू किया जा सकता है।

वकील का दावा: ट्रंप प्रशासन की वजह से डीएसीए नवीनीकरण में बाधा उनके वकील पोमेरलो का कहना है कि फरेइरा पहले डीएसीए लाभार्थी थीं, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यक्रम समाप्त करने की कोशिश के कारण उनका नवीनीकरण रुक गया। वकील के अनुसार, फरेइरा फिलहाल अपने लिए अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने की वैध प्रक्रिया में थीं।

पारिवारिक पृष्ठभूमि: लेविट परिवार से पुराना संबंध : सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, फरेइरा ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी करोलिन लेविट के भाई माइकल लेविट की पूर्व मंगेतर हैं। दोनों का एक 11 वर्षीय बेटा है, जो वर्तमान में अपने पिता के साथ न्यू हैम्पशायर में रहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि करोलिन लेविट और फरेइरा कई वर्षों से आपस में संपर्क में नहीं हैं। फरेइरा को उस समय हिरासत में लिया गया जब वह अपने बेटे को लेने न्यू हैम्पशायर जा रही थीं। माइकल लेविट ने सीएनएन की सहयोगी संस्था डब्लयूएमयूआरसे कहा कि उनके बेटे ने मां से गिरफ्तारी के बाद बात नहीं की है और यह स्थिति बहुत कठिन है। उन्होंने कहा कि उनका प्राथमिक ध्यान उनके बच्चे की भलाई पर है।

डीएसीए सुरक्षा पर सरकार का रुख : हाल ही में होमलैंड सिक्योरिटी की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉफलिन ने दोहराया कि डीएसीए लाभार्थियों को निर्वासन से पूर्ण सुरक्षा प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि डीएसीए स्थायी कानूनी स्थिति नहीं देती बल्कि यह सिर्फ अस्थायी राहत है और इस दौरान भी प्रवर्तन की कार्रवाई संभव है।

आरसीबी के बाद एक और आईपील फ्रेंचाइजी बिकने के लिए तैयार, वैल्यूएशन में उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग अपने इतिहास के सबसे बड़े ओनरशिप बदलाव का गवाह बन सकता है। लीग में शुक्रवार को उस समय खलबली मच गई, जब जाने-माने इंडस्ट्रियलिस्ट हर्ष गोयनका ने ङ्क (पूर्व में ट्विटर) पर दावा किया कि दो लोकप्रिय फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) और राजस्थान रॉयल्स (RR) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि इन दावों पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस खबर ने क्रिकेट जगत और निवेशकों के बीच बड़ी चर्चा छेड़ दी है। माना जा रहा है कि टीम मालिक मौजूदा ऊंची वैल्यूएशन का फायदा उठाते हुए फ्रेंचाइज़ी बेचने पर विचार कर रहे हैं।

हर्ष गोयनका के दावे से तेज हुई अटकलें

हर्ष गोयनका ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि न सिर्फ एक, बल्कि दो IPL टीमें खरीददार तलाश रही हैं। उन्होंने संभावित नए मालिकों के तौर पर पुणे, अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु और USA के ग्रुपों के शामिल होने की संभावना जताई। इस बयान ने आग में घी का काम किया और IPL की ओनरशिप स्ट्रक्चर पर बड़े सवाल खड़े कर दिए।

राजस्थान रॉयल्स: क्या वाकई बिक्री की तैयारी में है फ्रेंचाइजी?

RR को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। राजस्थान रॉयल्स की ओनरशिप रॉयल मल्टीस्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। इसके मेजॉरिटी शेयरहोल्डर मनोज बडाले हैं, जिन्हें रेडबर्ड कैपिटल पार्टनर्स का मजबूत समर्थन प्राप्त है। ना फ्रैंचाइजी और ना ही ओनरशिप ग्रुप ने बिक्री पर कोई बयान जारी किया है। यानी RCB के विपरीत राजस्थान के मामले में दावे अब भी अफवाहों के दायरे में हैं। इसके बावजूद गोयनका के पोस्ट के बाद चर्चाएं काफी बढ़ गई हैं।

RCB: सबसे पारदर्शी और पक्की बिक्री प्रक्रिया

RCB के मामले में तस्वीर काफी साफ है। टीम की पेरेंट कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (रु) ने 5 नवंबर 2025 को टीम पर अपने निवेश का स्ट्रेटेजिक रिव्यू घोषित किया। यह रिव्यू 31 मार्च 2026 तक पूरा होगा और इसमें तीन संभावनाएं हैं, टीम की पूरी बिक्री, आंशिक हिस्सेदारी बेचना और फ्रेंचाइजी का पूरा स्ट्रक्चर बदलना। रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम मालिक डियाजियो RCB की वैल्यूएशन रू 2 बिलियन (लगभग रू.17,000-18,000 करोड़) के करीब आंक रहे हैं। अगर यह डील फाइनल होती है, तो RCB दुनिया की सबसे महंगी स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी में शामिल हो जाएगी।

नए खरीददार कौन हो सकते हैं?

नए ओनर के संभावित नामों में कई हाई-प्रोफाइल इंडस्ट्री लीडर्स दिखाई दे रहे हैं। चर्चित नामों में अदार पूनावाला भी शामिल हैं, जिनकी रुचि इस बिक्री में बताई जा रही है। कई अन्य ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्म्स भी इस रेस में उतर सकती हैं। एनालिस्ट्स की राय में RCB की बिक्री 2026 IPL सीजन से पहले भी पूरी हो सकती है।

IPL पर पड़ सकता है बड़ा असर

अगर RCB और RR दोनों टीमों का मालिकाना हक बदलता है, तो IPL के इकोसिस्टम में बड़े बदलाव संभव हैं। नए मालिक फ्रेंचाइजी में ताज़ा निवेश ला सकते हैं। टीम मैनेजमेंट, रणनीतियों और खिलाड़ी खरीद के तरीके में बदलाव दिख सकता है। ब्रांड आइडेंटिटी और फैन कनेक्ट पर भी प्रभाव पड़ सकता है, खासकर RCB जैसी लोकप्रिय टीम में। इन संभावित बदलावों के कारण IPL का अगला चरण नए बिजनेस मॉडल, नई रणनीतियों और नई प्रतिस्पर्धा के साथ और भी रोमांचक हो सकता है।

विराट और रोहित को धोनी ने डिनर पर बुलाया, अपनी कार में होटल तक छोड़ा

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार 30 नवंबर को होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के लिए रांची पहुंच गये हैं। रांची भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का गृहनगर है। ऐसे में उन्होंने विराट और ऋषभ के लिए अपने घर पर एक पार्टी रखी। ऐसें में ये तीन दिग्गज डिनर पार्टी में एकसाथ नजर आये। धोनी इसके बाद रोहित और विराट को स्वयं अपनी कार में होटल तक छोड़ने पहुंचे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है और प्रशंसकों ने इसको काफी पसंद किया है। इस याराने को खूब पसंद कर रहे हैं।

गौरतब है कि विराट ने अपने करियर की शुरुआत धोनी की कप्तानी में खेलकर ही की थी। धोनी के कार्यकाल के दौरान विराट कप्तान के तौर पर तैयार हुए थे। धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद विराट ने ही हर प्रारुप में टीम की कप्तानी संभाली थी। इससे भारतीय क्रिकेट शीर्ष स्तर पर पहुंचा। धोनी ने आज से पांच साल पहले 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर वह एकदिवसीय क्रिकेट खेल रे हैं। विराट कोहली बुधवार को ही लंदन से रांची पहुंचे थे और इसके अगले दूसरे ही दिन यानी वह धोनी से मिलने उनके घर पहुंच। लंबे समय बाद इन तीनो को देखकर प्रशंसक भी उत्साहित हैं।

2027 विश्वकप तक कोच बने रहेंगे गंभीर : बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम की करारी हार के बाद जहां प्रशंसकों और कई पूर्व क्रिकेटरों ने मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाने की मांग की है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) ने ऐसी किसी भी संभावना से इंकार करते हुए गंभीर पर भरोसा बनाये रखा है। बीसीसीआई के अनुसार अभी टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और ऐसे में उन्हें अपने काम को करने दिया जाएगा।

गंभीर 2027 विश्वकप तक टीम के साथ बने रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान पिच, अंतिम ग्यारह और खिलाड़ियों के बल्लेबाजी क्रम को को लेकर भी गंभीर की रणनीति पर सवाल उठे हैं। गंभीर की ही कोचिंग में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार अभी वह तीनों ही प्रारुपों में मुख्य कोच बने रहेंगे।

बीसीसीआई ने गंभीर को तीन साल के लिए भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया है। उनका कार्यकाल 2027 विश्व कप तक चलेगा। गंभीर के मार्गदर्शन में भले ही भारतीय टीम का टेस्ट रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। मगर उनकी कोचिंग में ही टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत है।माना जा रहा है कि गंभीर के कोच रहते ही टीम टी20 में आक्रामक होकर उभरी है जिससे उसका प्रदर्शन बेहतर हुआ है। रिपोर्ट में ये बातें भी सामने आई है कि गंभीर से होने वाली बैठक में टीम के प्रदर्शन को सुधारने को लेकर बात की जाएगी और जरूरी फैसले भी लिए जाएंगे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सुपर ओवर में हरियाणा ने पंजाब को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान अंकित कुमार और निशांत सिंधु के अच्छे प्रदर्शन से हरियाणा ने शुक्रवार को हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के एलीट ग्रुप सी क्रिकेट मुकाबले में पंजाब को सुपर ओवर में हरा दिया। जिमखाना क्रिकेट मैदान में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा की टीम ने 20 ओवरों में 9 विकेट पर 207 रन बनाए। शुरुआती विकेट गिरने के बाद अंकित ने निशांत के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 74 रन बनाकर टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचा दिया। अंकित ने 26 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 51 रन बनाये।

वहीं निशांत संधु ने यशवर्धन दलाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 62 रन बनाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। निशांत ने 33 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 61 रन बनाये। यशवर्धन दलाल ने 27, जबकि सुमित कुमार ने 28 रन बनाये।

वहीं पंजाब की ओर से अश्विनी कुमार ने ने 3 विकेट जबकि अभिषेक शर्मा, रमनदीप सिंह, हरप्रीत बरार और मयंक मार्कंडेय ने 1-1 विकेट लिया।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम ने 20 ओवरों में ही 7 विकेट पर 207 रन बना दिये। शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाजों के विकेट खोने के बाद साहिल अरोड़ा ने अनमोलप्रीत सिंह के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 रन बनाकर पारी को संभाला। साहिल ने 18 गेंदों में 11 रन बनाये

नवल वढेरा ने अनमोलप्रीत सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 49 रन बनाकर टीम को 145 के स्कोर तक पहुंचाया। अनमोलप्रीत ने 37 गेंदों में 5 छक्कों और 8 चौकों के साथ सबसे अधिक 81 रन बनाये। इनके अलावा, सनवीर सिंह ने 16 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए और टीम को और टीम को 207 रनों पर पहुंचा दिया और मैच बराबरी पर आया गया।

हरियाणा की ओर से अंशुल कंबाज, युजवेंद्र चहल और सामंत जाखड़ ने 2-2 विकेट लिए।।

इसके बाद सुपर ओवर में विजेता का फैसला हुआ। यहां पंजाब ने 3 गेंदों में दो विकेट खोकर एक रन बनाया। वहीं हरियाणा की टीम ने पहली गेंद पर ही चौके लगाकर मैच जीत लिया।

क्या दूसरी शादी करने जा रहे चहल ?

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल लगता है दूसरी शादी करने जा रहे हैं। इसका अंदाजा चहल की उसे पोस्ट से लगता है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। चहल की पहली शादी साल 2020 में डांसर धनश्री वर्मा से हुई थी पर अब दोनो का तलाक हो गया है। दोनों की ये शादी ज्यादा दिन तक चल नहीं पाई और साल 2022 में ही दोनों अलग हो गये थे। वहीं मार्च 2025 में इनका तलाक हो गया। वहीं अब चहल ने सोशल मीडिया में तस्वीर पोस्ट कर बताया कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, 卐शादी के लिए तैयार हूं, बस एक लड़की चाहिए !卐 उनकी इस पोस्ट से प्रशंसकों की धड़कन बढ़ गयी है। कुछ ने जश्न मनाया है जबकि कुछ उन्हें पुरानी बातें याद दिला रहे हैं इसके अलावा कुछ ने आरजे महवश को भी टैग किया है। वहीं धनश्री ने एक शो में बताया था कि उनकी शादी लव और अरेंज दोनों थी। पहले अरेंज मैरिज की तरह शुरू हुई थी। वह बिना डेटिंग के शादी करना चाहता था और मैं शादी के बारे में सोच भी नहीं रही थी। लेकिन जब उससे मिली और उसने मुझे मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी तब मैं शादी के लिए मान गई थी।

ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने पर जाहिर की खुशी

नई दिल्ली। ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने भी भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, 'भारत को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का सम्मान मिला है, जो एक सच्चे खेल राष्ट्र बनने की हमारी यात्रा में एक सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रत्येक भारतीय खिलाड़ी, खेल प्रशंसक और नागरिक को अपार गर्व से भर देता है।' भारत के गुजरात प्रांत का अहमदाबाद शहर 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। हाल में ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन (सीजीएफ) की आम बैठक में राष्ट्रमंडल के 74 सदस्य देशों ने इन खेलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद के नाम पर आधिकारिक मुहर लगा दी। राष्ट्रमंडल खेलों की महासभा की बैठक में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने इन खेलों के लिये अहमदाबाद में मेजबानी के लिए भारत के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

राहुल की कप्तानी में अब एकदिवसीय सीरीज में दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेंगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब केएल राहुल की कप्तानी में 30 नवंबर से दक्षिया अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही टेस्ट सीरीज में मिली 2-0 की करारी हार से उबरना रहेगा। नियमित कप्तान शुभमन गिल की गर्दन में अकड़न के कारण इस सीरीज में राहुल की कप्तानी में टीम कैसा प्रदर्शन करती है ये देखना होगा। इस सीरीज में जीत के लिए भारतीय बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। लेफ्ट-राइट मिश्रण, मध्यक्रम और गेंदबाज़ी ऑर्डर मिट्टी पर असर डाल सकते हैं। इस सीरीज में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी से भारतीय टीम को लाभ होगा हालांकि उसे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों से सावधान रहना होगा।

वहीं टैम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। टेस्ट सीरीज में मिली जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा। एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम इस पकार है। पहला एकदिवसीय मैच- 30 नवंबर 2025, रांची में दोपहर 1ः30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा एकदिवसीय मैच- 3 दिसंबर 2025 को रायपुर में खेला जाएगा।तीसरा एकदिवसय मुकाबला- 6 दिसंबरको विशाखापत्तनम में होगा। तीनों ही मैच दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से खेले जाएंगे

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : केएल राहुल (कप्तान व विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा,ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका: टैम्बा बावुमा (कप्तान), ओत्तनेल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवॉल्ड ब्रेविस, नांद्र बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी ज़ोरज़ी, रुबिन हर्मन, केशव महाराज, मार्को जैनसन, एडेन मार्कराम, लुंगी ङ्गिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायेन।

यूनिसेफ गुडविल एम्बेसडर डेविड बेकहम भारत की यात्रा पर, बच्चों से मिले

मुंबई । यूनिसेफ गुडविल एम्बेसडर सर डेविड बेकहम इस सप्ताह भारत की यात्रा के दौरान बच्चों और युवाओं से मिले और हर बच्चे के लिए समान अवसर, समावेशन और सशक्तिकरण की अपील की। बेकहम ने कहा, 'मैं आज मैं जिन बच्चों और युवाओं से मिला, उनके जोश, हिम्मत और जुनून को देखकर मैं बहुत खुश हूं। वे कम उम्र में ही बदलाव के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अपने भविष्य पर अपनी बात रख रहे हैं। वे वास्तव में प्रेरणादायक हैं और कई चुनौतियों को पार कर यहां तक पहुंचे हैं। उनका सफर हमें यह याद दिलाता है कि हमें बच्चों और युवाओं में इन्वेस्ट करते रहना चाहिए।' मुंबई के कूपरेज फुटबॉल ग्राउंड्स में बेकहम ने 12 वर्षीय खुशी और 10 वर्षीय रोहित से मुलाकात की, जिन्हें फुटबॉल ने अपनी ओर आकर्षित किया। फुटबॉल ने उन्हें जीवन कौशल सीखने, आत्मविश्वास, आनंद और अपनापन का अनुभव दिया। खुशी ने कहा, 'मैं हमेशा बहुत शांत और अलग-थलग रहती थी। फुटबॉल खेलने से मुझे खुलने और बेहतर संवाद करने में मदद मिली। मैंने दूसरों के साथ बातचीत करना और निर्णय लेना सीखा।' बेकहम ने यूनिसेफ के सपोर्ट वाले एक प्रोजेक्ट के छोटे बच्चों से भी मुलाकात की, जिसका उद्देश्य मुंबई को रहने और खेलने के लिए बेहतर स्थान बनाना है, जहां हर नागरिक अपने समुदाय का समर्थन करने के लिए एकजुट होता है। 9 साल के तीर्थ, जो वेस्ट कम्पोस्ट चैंपियन हैं, ने कहा, 'जब मैंने देखा कि हमारे स्कूल का कचरा कम्पोस्ट में बदल रहा है और पौधों को बढ़ने में मदद कर रहा है - तो मुझे एहसास हुआ कि हम सिर्फ सफाई नहीं कर रहे हैं; हम धरती को वापस जीवन दे रहे हैं।' यूनिसेफ इंडिया प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने कहा, 'पिछले 20 सालों से यूनिसेफ के गुडविल एंबेसडर के तौर पर, सर डेविड बेकहम ने लगातार दुनिया के बच्चों और उनके सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया है। वह भारत और दुनिया भर के बच्चों के लिए एक प्रेरणा हैं और उनकी सराहना उन्हें अपने सपनों को पूरा करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता के साथ शादी के बंधन में बंधे

चेन्नई । आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता शनमुगनाथन के साथ शादी के बंधन में बंध गये हैं। चेन्नई में पारंपरिक हिंदू रस्मों से ये शादी हुई। इसमें दोनो के परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए। दोनो की शादी की तस्वीरें सामने आते ही प्रशंसकों ने इस जोड़े को बधाई दी है। संयुक्ता और अनिरुद्ध की शादी बेहद सादगी और पारंपरिक माहौल में संपन्न हुई। इनकी शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही तेज़ी से वायरल हो गईं, प्रशंसकों ने इन्हें ने अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। इसके अलावा, दोनों ने एक विशेष वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें परिवार, उनके बेटे और करीबी दोस्तों के साथ बिताए भावुक और खुशियों भरे पल शामिल थे। संयुक्ता और अनिरुद्ध ने अपने रिश्ते की झलक पहली बार दिवाली के दौरान दी थी, जब उन्होंने एक साथ तस्वीर पोस्ट की थी। इस तस्वीर ने तुरंत ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू कर दी और दोनों की संभावित सगाई और शादी को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थीं जो शादी से के साथ ही समाप्त हो गयीं।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत को हराना मेरे करियर का सबसे गर्व का पल था: बाबर आजम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार उपलब्धि का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कप्तान के तौर पर भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2021 में मिली ऐतिहासिक जीत उनके पेशेवर सफर का सबसे गर्व भरा पल है। यह वही मुकाबला था जिसने पाकिस्तान के विश्व कप इतिहास में पहली बार भारत के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इस यादगार मैच ने न केवल बाबर के नेतृत्व को नई पहचान दी, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट की मनोवैज्ञानिक बाधा भी तोड़ी।

भारत के खिलाफ पहली वर्ल्ड कप जीत

बाबर आज़म ने केविन पीटरसन के YouTube शो द स्विच पर बातचीत में बताया कि 2021 टी20 वर्ल्ड कप की वह रात उनके करियर का निर्णायक पल थी। इससे पहले पाकिस्तान 12 वर्ल्ड कप मैचों में भारत को कभी नहीं हरा पाया था। दुबई में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 10 विकेट से मात देकर नया इतिहास रचा। बाबर ने कहा कि कप्तान के रूप में भारत को हराना उनके लिए किसी भी ट्रॉफी जितने सम्मान का एहसास था।

बाबर और रिज़वान की रिकॉर्ड साझेदारी

टॉस जीतने के बाद पाकिस्तान ने पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया और शाहीन अफरीदी की शानदार गेंदबाज़ी के दम पर भारत को 151 रन पर रोक दिया। विराट कोहली की फिफ्टी के अलावा कोई भारतीय बल्लेबाज़ बड़ा स्कोर नहीं कर पाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की ओपनिंग जोड़ी मोहम्मद रिज़वान (79*) और बाबर आज़म (68*) ने बिना विकेट खोए मैच खत्म कर दिया। यह जीत सिर्फ एक नतीजा नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट के लिए मनोबल बढ़ाने वाला मोमेंट था।

बाबर की करियर-डिफाइनिंग इनिंग्स

बाबर ने अपनी कुछ खास इनिंग्स का भी ज़िक्र किया। उनके अनुसार, दक्षिण अफ्रीका दौरा उनके क्रिकेटिंग माइंडसेट के लिए टर्निंग पॉइंट था, जहाँ उन्होंने डेल स्टेन और कागिसो रबाडा की आक्रमक गेंदबाज़ी के खिलाफ महत्वपूर्ण पारियाँ खेलीं।2019 वर्ल्ड कप में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ उनकी मैच-विनिंग इनिंग को वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक मानते हैं।

कप्तानी छूटने के बाद बाबर का नया लक्ष्य

2023 ODI वर्ल्ड कप और 2024 टी20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद बाबर को कप्तानी से हटाया गया। हालांकि हाल ही में टीम में वापसी के बाद बाबर ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य पाकिस्तान को ICC खिताब दिलाना है। उन्होंने बताया कि वे फिटनेस और स्किल्स पर पहले से ज्यादा मेहनत कर रहे हैं ताकि देश के लंबे इंतजार को खत्म किया जा सके।

ICC ट्रॉफी जीतना है सबसे बड़ा सपना

बाबर का मानना है कि पाकिस्तान काफी करीब आ चुका है और सही तैयारी तथा फोकस के साथ टीम बड़े टूर्नामेंट जीत सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान ICC ट्रॉफी उठाए। इसके लिए मैं खुद को और बेहतर बनाने में जुटा हूं।'

सैंटियागो नीवा बने भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के नये मुख्य कोच, 2028 ओलंपिक के लिए तैयार करेंगे टीम

नई दिल्ली । स्वीडन के सैंटियागो नीवा भारतीय महिला मुक्केबाज टीम के नये मुख्य कोच बनाये गये हैं। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने नीवा को मुख्य कोच बनाने की घोषणा करते हुए कहा है कि उनके आने से मुक्केबाजी टीम और बेहतर होगी। नीवा साल 2017 से 2021 तक भारतीय टीम के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर भी रहे हैं। इस दौरान उनका कार्यकाल काफी अच्छा रहा है। नीवा के ही मार्गदर्शन में भारतीय पुरुष मुक्केबाजों ने 2019 विश्वकचैंपियनशिप में पदक जीते थे। तब अमित पंघाल ने रजत जबकि मनीष कौशिक ने कांस्य पदक जीता था। इसके बाद भारतीय टीम ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में सबसे बड़ी टीम उतारी। इसमें लवलीना बोरगोहेन ने कांस्य पदक जीता। लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक को देखते हुए नीवा का लक्ष्य सभी वजन वर्ग में भारतीय महिला खिलाड़ियों को बेहतर बनाना रहेगा। नीवा के पास दो दशकों से ज्यादा का कोचिंग अनुभव है, उन्होंने विश्व मुक्केबाजी में काफी अच्छी भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय महिला टीम ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित विश्व कप फाइनल्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। इस मौके पर नीवा ने कहा, मैं भारत वापस आकर बहुत उत्सुक हूं। मेरे पिछले कार्यकाल के पांच साल बहुत शानदार रहे हैं। मैं इस नए अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर बड़ी सफलता हासिल करेंगे। भारतीय महिला टीम में बहुत क्षमता है। ओलंपिक में हम इतिहास रचना चाहेंगे।

महिला-प्रधान फिल्म होगी कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म

तमिल अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म लोका ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और उन्हें पैन-इंडिया स्टार के रूप में मजबूती भी दी। इस सफलता के बाद दर्शक और फैंस अब उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। इस कड़ी में उनकी नई फिल्म की आधिकारिक जानकारी सामने आई है, जो उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म की खास बात यह है कि यह महिला-प्रधान कहानी है। फिल्म की पूरी कहानी एक महिला पात्र के इर्द-गिर्द घूमेगी और उसकी भावनाओं, संघर्षों और सफर को मुख्य रूप से दिखाया जाएगा। अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का निर्देशन थिरियम एस. एन. कर रहे हैं, जो इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण पोटेंशियल स्टूडियोज कर रहा है। यह फिल्म उनका सातवां प्रोजेक्ट है और इससे पहले वे माया, मानगरम, मॉन्स्टर, तानक्करन, इरुगापत्रु और ब्लैक जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इन सफल फिल्मों के चलते दर्शकों का विश्वास इस बैनर पर पहले से ही बना हुआ है, और उम्मीद की जा रही है कि उनकी यह नई फिल्म भी उसी गुणवत्ता को आगे बढ़ाएगी। कल्याणी प्रियदर्शन की कामयाबी और पोटेंशियल स्टूडियोज की लगातार सफल फिल्मों की सीरीज ने इस नए प्रोजेक्ट को पहले ही एक बड़े स्तर पर पहुंचा दिया है। दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि कल्याणी इस बार किस तरह का किरदार निभाएंगी। फिल्म में कल्याणी के साथ देवदर्शिनी और नान महान अल्ला फेम विनोद किशन भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग चेन्नई में शुरू हो चुकी है। फिल्म के डायलॉग्स प्रवीण भास्कर, श्री कुमार और खुद निर्देशक थिरवियम ने मिलकर लिखे हैं। संगीत की कमान तमिल फिल्म जगत के उभरते हुए संगीतकार जस्टिन प्रभाकरन ने संभाली है, जिनकी धुनें हमेशा दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ती हैं।

नैचुरोपैथी का समर्थन करने के बाद हुई ट्रोलिंग पर सोनाली बेंद्रे ने तोड़ी चुप्पी

सोनाली बेंद्रे कैंसर सर्वाइवर हैं। उन्होने 2018 में इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ जंग लड़ी। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि कैंसर से जंग में नेचुरोपैथ भी उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। इसके बाद वे मेडिकल प्रोफेशनल्स के निशाने पर आ गईं। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने उनकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोनाली की पोस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि, आपका कैंसर कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी से ठीक हुआ, ना कि नेचुरोपैथी से। आलोचनाओं और सवाल के बाद सोनाली बेंद्रे ने चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट शेयर किया है।

सोनाली ने नेचुरोपैथी को लेकर क्या कहा था?

सोनाली बेंद्रे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक पोस्ट में लिखा था, साल 2018 में जब मुझे कैंसर का पता चला तो मेरे नेचुरोपैथ ने मुझे ऑटोफैगी नाम की एक स्टडी के बारे में बताया। इसने मेरी रिकवरी में बहुत बड़ी भूमिका निभाई, इसलिए मैंने इसे पढ़ा, सीखा, प्रयोग किया और धीरे-धीरे इसे अपने रूटीन में शामिल कर लिया। मैं तब से इसे फॉलो कर रही हूं। सोनाली के इस सवाल पर डॉक्टर्स ने सवाल उठा दिए। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर कर किया। बता दें कि डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स भारतीय हेपेटोलॉजिस्ट हैं, जो सोशल मीडिया पर द लिवर डॉक के नाम से जाने जाते हैं।

विरोध के बाद सोनाली ने तोड़ी चुप्पी

विरोध के बाद सोनाली ने अब एक अन्य पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा है, हम सभी का सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमें एक-दूसरे को सिर्फ इसलिए खारिज करने से बचना चाहिए क्योंकि हम अलग-अलग तरीकों की तरफ झुकते हैं। सोनाली लिखती हैं, मैंने कभी डॉक्टर होने का दावा नहीं किया, लेकिन मैं पक्का कोई नीम-हकीम भी नहीं हूं। मैं एक कैंसर सर्वाइवर हूं, जिसने इस बीमारी से होने वाले डर, दर्द, अनिश्चितता और फिर से बनने की प्रक्रिया को झेला है।

सोनाली बेंद्रे का फिल्मी करियर

सोनाली बेंद्रे का कहना है, मैं हमेशा अपनी यात्रा ईमानदारी और विनम्रता के साथ शेयर करूंगी। कभी किसी नुस्खे के तौर पर नहीं, बल्कि अपने अनुभव के तौर पर। बता दें कि सोनाली मेटास्टेटिक कैंसर के खिलाफ जंग लड़ चुकी हैं। अभिनेत्री के करियर की बात करें तो उन्होंने आग (1994) से डेब्यू किया था। वे सरफरोश (1999), हम साथ-साथ हैं (1999), हमारा दिल आपके पास है (2000), लज्जा (2001) और कल हो ना हो (2003) जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

शाहरुख की फिल्म 'किंग' में अक्षय ओबेरॉय की हुई एंट्री

शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग की एक-एक अपडेट का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। अब फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी आ रही है कि इस फिल्म में एक और कलाकार का नाम जुड़ गया है। जानिए उस अभिनेता के बारे में। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि वह शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'किंग' का हिस्सा हैं। आपको बताते चलें कि कई दिनों से चर्चा चल रही थी, अभिनेता इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। हालांकि अब इसपर मुहर लगती दिख रही है। फिल्म किंग को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर और अभिषेक बच्चन जैसे बड़े नाम भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मल्टीस्टारर धुरंधर में अहम किरदार में नजर आएंगी गीतिका गंजू

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी मोस्ट अवेटेड मल्टीस्टारर फिल्म 'धुरंधर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। एक्शन से भरपूर फिल्म में एक्ट्रेस गीतिका गंजू अहम किरदार में नजर आएंगी। गीतिका का मानना है कि धुरंधर एक ऐसी फिल्म है, जिसे दर्शक काफी पसंद करेंगे। गीतिका गंजू का मानना है कि बहुत कम ऐसी फिल्में आती हैं जो कहानी कहने का तरीका बदल देती हैं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ने में सफल होती हैं। धुरंधर भी ऐसी ही फिल्म है। एक्ट्रेस गीतिका ने को-एक्टर रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे स्टार्स के साथ काम करने को शानदार बताया। एक्ट्रेस ने कहा, धुरंधर एक जबरदस्त फिल्म बनने के साथ सिनेमाघरों में छाने को तैयार है। भारत में इस जॉनर को शायद पहले कभी इतनी सच्चाई और स्टाइल के साथ नहीं दिखाया गया। मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। फिल्म की तारीफ करते हुए गीतिका ने स्पष्ट कहा, मेरा मानना है कि कुछ ऐसी फिल्म आती है, जो कहानी कहने का तरीका बदल देती है, धुरंधर वैसी ही फिल्म है। गीतिका ने बताया, आदित्य धर और लोकेश धर ने फिल्म के लिए खूब मेहनत की है, जिसका नतीजा स्क्रीन पर दिखेगा। आदित्य धर ने कहानी को बेहद बोल्ड और रियल तरीके से पेश किया है। गीतिका ने आगे कहा कि फिल्म का हर एक एक्टर खास है। राकेश बेदी, रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के साथ काम करना उनके लिए यादगार रहा। रणवीर सिंह को एक्शन में देखने का अनुभव शानदार रहा। गीतिका गंजू ने अपनी एक्टिंग से खास पहचान बनाई है। आमिर खान प्रोडक्शंस की 'लाल सिंह चड्ढा', 'म्यूजिक मेरी जान', 'आर्या सीजन 2' और 'तनाव सीजन 2' जैसे सफल प्रोजेक्ट में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है।

रणवीर सिंह से लेकर संजय दत्त तक

खलनायक के रूप में नजर आए ये बड़े स्टार्स

बॉलीवुड के कई मशहूर अभिनेताओं ने फिल्मों में विलेन का किरदार निभाया है। अपकमिंग फिल्म धुरंधर में अर्जुन रामपाल खलनायक के किरदार में नजर आने वाले हैं। इससे पहले भी कई अभिनेताओं ने फिल्मों में पारंपरिक खलनायक से अलग लुक रखा और अभिनय किया। दर्शकों ने इन्हें खूब पसंद किया। कई विलेन ऐसे रहे जो नायकों पर भारी पड़े और उनकी वजह से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली।

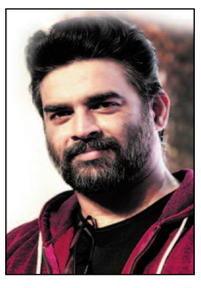

फिल्म सिंघम अगेन (2024) में **अर्जुन कपूर** ने डेंजर लंका का नेगेटिव किरदार निभाया है। उनका किरदार एक चालाक और तेज दिमाग वाला है। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और कई कलाकारों ने अभिनय किया लेकिन अर्जुन कपूर के किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। फिल्म शैतान (2024) में

आर माधवन ने वनराज कश्यप का नेगेटिव किरदार निभाया। यह फिल्म गुजराती फिल्म वश पर आधारित थी। इसमें दिखाया गया है कि एक अजनबी एक लड़की को वश में करने के लिए काले जादू का इस्तेमाल करता है। इसमें आर माधवन के किरदार ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म एनिमल को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसमें **रणबीर कपूर** के किरदार के अलावा बॉबी देओल के नेगेटिव किरदार अबरार अहमद को पसंद किया गया। फिल्म में उनके कम संवाद, चमकीली आंखें और शांत गुस्से ने दर्शकों को हैरान कर दिया था। विलेन के रूप में बॉबी देओल को दर्शकों ने पसंद किया। फिल्म पद्मावत (2018) में **रणवीर सिंह** ने विलेन अलाउद्दीन खिलजी का किरदार निभाया। इस फिल्म में नायक से ज्यादा खलनायक को दमदार दिखाया गया। अलाउद्दीन खिलजी का किरदार बेरहम, जुनूनी और डरावना था। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म अग्निपथ में **संजय दत्त** ने विलेन का किरदार निभाया। कानों में कुंडल और बिना बालों के संजय दत्त के लुक को काफी पसंद किया गया। फिल्म में वह ड्रग डीलर बने हैं। ऋतिक रोशन के अपोजिट संजय दत्त ने एक डरावना लेकिन आकर्षक अभिनय किया।

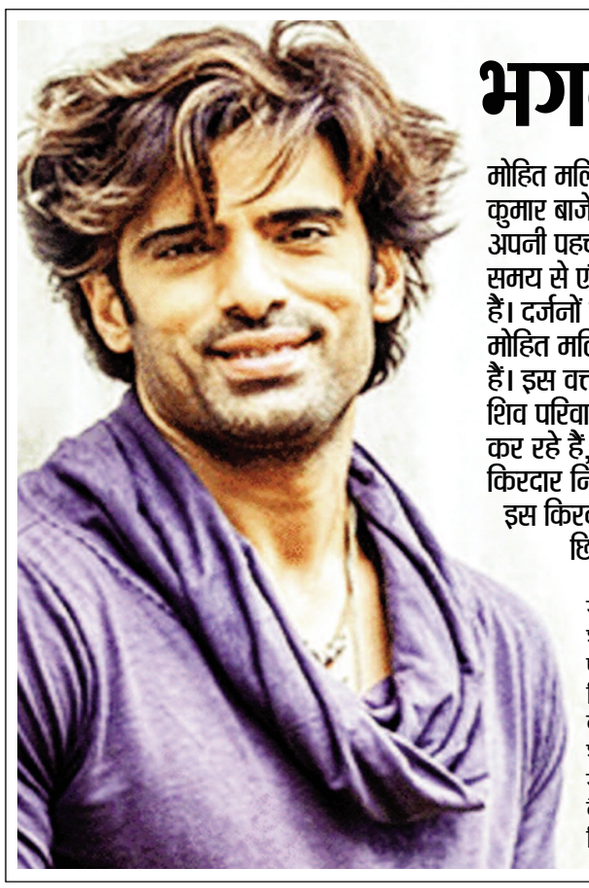

भगवान शिव का किरदार निभाने को लेकर बोले मोहित मलिक

मोहित मलिक ने डोली अरमानों की और कुल्फी कुमार बाजेवाला जैसे टीवी शोज से घर-घर में अपनी पहचान बनाई। वह दो दशक से भी ज्यादा समय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। दर्जनों टीवी शोज और वेब सीरीज कर चुके मोहित मलिक किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इस वक्त वह माइथोलॉजिकल शो महागाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय में काम कर रहे हैं, जिसमें वह भगवान शिव का किरदार निभा रहे हैं। मोहित मलिक ने अपने इस किरदार के अलावा 8 घंटे की शिफ्ट पर छिड़ी बहस पर बात की।

मोहित मलिक पहली बार माइथोलॉजिकल शो में काम कर रहे हैं। वह गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय में भगवान शिव के रूप में नजर आ रहे हैं। इस शो में काम करने की वजह पर वह कहते हैं, इस शो मेकर्स का नजरिया अलग था। उन्होंने मुझे कंवींस किया कि वह इसका प्रेजेंटेशन वैसे ही करेंगे जैसा उन्होंने मुझे बताया है। फिर इसमें शिव का रूप भी एकदम अलग है। वह उस तरह का टिपिकल नहीं है जैसा लोग अब तक देखते आए हैं। शिव और उनके परिवार को इंसानी रूप में दिखाया गया है। बकौल मोहित, शिव के आशुतोष रूप का प्रभाव मेरे ऊपर सबसे ज्यादा पड़ा है क्योंकि वह बहुत भोला है, दयालु हैं और सबको जल्दी से माफ कर देते हैं। मैं उनसे सबसे ज्यादा कनेक्ट करता हूं।

AI का एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर कैसा रहेगा प्रभाव?

मोहित ने इस दौरान मनोरंजन जगत में AI पर भी बात की। जब हमने पूछा कि AI एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को किस तरह प्रभावित करेगा? तो मोहित ने कहा, मुझे नहीं लगता है कि कभी पूरी तरह AI से फिल्में और शोज़ बनेंगे। हालांकि यह बहुत अच्छी तकनीक है लेकिन उसे एक सीमित मात्रा में ही इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी AI बेस्ड महाभारत देखूंगा क्योंकि मुझे असली परफॉर्मेंस, असली लोग, असली इमोशंस चाहिए। ऑडियंस भी एक्टर से कनेक्ट होती है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि कभी पूरे AI बेस्ड शो बनेंगे।

पैसे को लेकर आपका पहला सबक क्या है?

मेरी जिंदगी में पैसा कभी इतना महत्वपूर्ण नहीं रहा। मैं हमेशा से अच्छा काम करना चाहता था। बस इतना था कि मैं अपना घर खरीद लूं और गाड़ी ले लूं। लेकिन अब लगता है कि थोड़ा सा बैलेंस होना चाहिए क्योंकि अब मेरे पास परिवार है। जैसे पहले मैं रोल को तवज्जो देता था और सोचता था कि उसके लिए पैसों से समझौता कर लूंगा। लेकिन अब मैं पैसों को लेकर समझौता नहीं करता। अब मैं जो डिजर्व करता हूं, वह मांगता हूं और वह मिल भी रहा है।

8 घंटे नहीं 12 घंटे की वर्किंग शिफ्ट ठीक

मोहित मलिक ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर कहा, हमारे यहां आमतौर पर 12 घंटे की शिफ्ट होती है और मुझे उससे कोई समस्या नहीं है। जो लोग यह कहते हैं कि बस आठ घंटे की वर्क शिफ्ट होनी चाहिए, तो यार आप प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के बारे में भी तो सोचो। एक एक्टर सेट पर आता है, फिर एक घंटा वह मेकअप करवाता है। तो आठ घंटे में कितना ही काम होगा। मुझे 12 घंटे ठीक लगते हैं। मैं उससे ज्यादा शूटिंग नहीं करता। हां, ये जरूर है कि शूटिंग के घंटे 14 नहीं होने चाहिए। 14 घंटे आप बतौर एक्टर काम कर भी नहीं सकते। 12 घंटे से ज्यादा काम करना आसान नहीं होता। मगर आठ घंटे से प्रोड्यूसर का बहुत नुकसान होगा।

आपकी पहली कमाई क्या थी?

मेरी पहली कमाई दिल्ली में थी और उससे मैंने कुछ खरीदा नहीं था। मैंने अपनी दादीजी को जाकर चेक दे दिया था। उसके बाद तो मैंने शुरू में कपड़े खरीदना और जो लड़कों के शौक होते हैं, वह पूरे किए थे।

आपका सेविंग मंत्र क्या है?

सेविंग मंत्र है कि लगभग 30-40 फीसदी कमाई में से बचाना होता है। ज़ाहिर है कि सेविंग करना बहुत जरूरी है क्योंकि हम जिस ऐक्टिंग की इंडस्ट्री में हैं, वह बहुत ही अनिश्चित है। हालांकि हम देखते हैं कि हमारा मासिक खर्च कितना है और हम कितना बचा सकते हैं।

आपने अब तक सबसे महंगा खर्च क्या किया है?

सबसे महंगा तो मैंने अपना घर ही लिया है मुंबई में।

आपका रिटायरमेंट प्लान क्या है?

मैंने उसे लेकर कोई प्लान नहीं बनाया है। इसलिए चाहता हूं कि जब तक जिंदा रहूं, एक्टिंग करता रहूं।

आप युवाओं को क्या सलाह देना चाहेंगे?

पैसे की सेविंग बहुत जरूरी है। और उसी के साथ जिंदगी एंजॉय करनी भी जरूरी है। सिर्फ सेविंग के चक्कर में आज की जिंदगी मत गंवाओ। तो जितना कमा रहे हो, उसमें से थोड़ा एंजॉय करने के लिए खर्च करो। मगर पूरा मत खर्च करो। थोड़ा सेविंग भी करो।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एक्सीड पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 8, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व ग्राम मुबारकपुर, पोस्ट ..., तहसील ..., जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/89483, मो0 8456868 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।